दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 173 | ग्वालियर गुरुवार, 13 अप्रैल 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

रिटेल निवेशकों ने ढूंढ लिया आपदा में अवसर

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग रिसर्च के अडानी समूह की कंपनियों के खिलाफ जारी रिपोर्ट के बाद स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिली थी. अडानी समूह के कुछ स्टॉक 85 फीसदी तक नीचे जा फिसले थे. पर आप क्या जानते हैं अडानी समूह के शेयरों में गिरावट का रिटेल निवेशकों ने भरपूर फायदा उठाया है. अडानी समूह के शेयरों में गिरावट के दौरान रिटेल निवेशकों ने समूह के लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में जमकर निवेश किया है.डाटा के मुताबिक रिटेल निवेशकों ने वित्त वर्ष 2022-23 की चौथी तिमाही में स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड 10 अडानी कंपनियों में से 8 कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है. अडानी एंटरप्राइजेज में अक्टूबर से दिसंबर तिमाही तक रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी 1.86 फीसदी डउआ करती थी जो जनवरी से मार्च तिमाही में बढ़कर 3.41 फीसदी पर जा पहुंची है. वहीं इस अवधि में 2 लाख रुपये कम निवेश करने वाले रिटेल निवेशकों की संख्या में करीब तीन गुना उछाल आया है. अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर में निवेश करने वाले रिटेल निवेशकों की संख्या 3 लाख से बढ़कर 7.29 लाख हो गई है. 3 फरवरी 2023 को अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर ने 1017 रुपये के निचले लेवल को छूआ था जो अब 1842 रुपये पर ट्रेड कर रहा है. अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर में भी रिटेल निवेशकों ने जमकर निवेश किया है. रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर तिमाही के 1.06 फीसदी से मार्च तिमाही में बढ़कर 2.22 फीसदी पर जा पहुंची है. अडानी ग्रीन का शेयर 439 रुपये तक जा लुढ़का था जो हिंडनबर्ग के रिपोर्ट के आने से पहले 2200 रुपये के करीब ट्रेड कर रहा था. अडानी ट्रांसमिशन में भी रिटेल निवेशकों की हिस्सेदारी 0.77 फीसदी से बढ़कर 1.36 फीसदी हो गई है. हाल ही में खरीदे गए एनडीटीवी के शेयर्स भी रिटेल निवेशकों ने खरीदे हैं और उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 14.11 फीसदी से बढ़कर 17.54 फीसदी हो गई है.

कुछ न्यायाधीश आलसी होते हैं, कुछ अक्षम

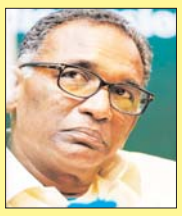

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस जस्ती चेलमेश्वरने मंगलवार (11 अप्रैल) को कॉलेजियम को दिए बयान को लेकर हैरान कर दिया. पूर्व जस्टिस ने कहा कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जज को नियुक्त करने और तबालने करने वाला कॉलेजियम बेहद ही अस्पष्ट तरीके से काम करता है. उन्होंने कहा वो जज के खिलाफ आरोप लगने का मौका सामने आने पर अक्सर कोई कार्रवाई नहीं करता है. इतना ही नहीं उन्होंने कुछ जज को लेकर कहा कि को आलसी और साफ तौर पर नाकाबिल है. उन्होंने ये बातें केरल हाईकोर्ट में भारतीय अभिभाषक परिषद केरल की इज कॉलेजियम एलियन टू द कॉन्स्टिट्यूशन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण में कहीं. पूर्व जस्टिस चेलमेश्वरने ये भी कहा, कई जज आलसी हैं और वक्त पर फैसला नहीं लिखते हैं जबकि कई अन्य सीधे तौर पर नाकाबिल हैं. उन्होंने आगे कहा, ÷कुछ आरोप कॉलेजियम के सामने आ सकते हैं, लेकिन आमतौर पर कुछ भी नहीं किया जाता है. यदि आरोप गंभीर हैं तो कार्रवाई की जानी चाहिए. सामान्य समाधान के तहत केवल जज का तबादला करना है कुछ जज सिर्फ आलसी होते हैं और फैसला लिखने में साल ग जाते हैं. कुछ जज नाकाबिल हैं. रिटायर्ड जज ने कहा, अब अगर मैं कुछ भी कहता हूं तो कल मुझे यह कहते हुए ट्रोल किया जाएगा कि वह रिटायर होने के बाद ये सब क्यों कह रहे हैं, लेकिन यह मेरा भाग्य है. लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के दो फैसलों को वापस भेजा क्योंकि उसे ये समझ नहीं आया था कि आखिर फैसलों में कहा क्या गया है. हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि किसी भी लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए एक स्वतंत्र न्यायपालिका बेहद जरूरी है. उन्होंने कहा ऐसा न होने पर, जरा सोचिए अन्यथा क्या होगा. कल्पना कीजिए कि एक पुलिसकर्मी क्या कर सकता है. ऐसा नहीं है कि वे बुरे हैं, लेकिन उनके पास ताकत है और वे खुद के लिए कानून बन सकते हैं.

चिनार एयर डिफेंस ब्रिगेड का फिट इंडिया कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारतीय सेना की चिनार एयर डिफेंस ब्रिगेड ने बडगाम के ओल्ड एयरफील्ड में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया. इसका उद्देश्य युवाओं को लुभाना, फिट इंडिया मूवमेंट और स्वच्छ भारत की भावना को बढ़ावा देना था. इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भी मनी मैराथन, वॉकाथन और प्लॉगाथन में हिस्सा लिया. इस आयोजन का विषय पर्यावरण बचाओ, पृथ्वी बचाओ था और इस कार्यक्रम में बडगाम जिले के स्थानीय लोगों, छात्रों, सशस्त्र बलों के सदस्यों और मीडिया प्रतिनिधियों ने भाग लिया. चिनार एयर डिफेंस ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर तरुण नरूला ने इस कार्यक्रम को झंडी दिखाकर रवाना किया. मिनी-मैराथन में स्थानीय युवाओं और सशस्त्र बलों के सदस्यों ने भाग लिया, जबकि बडगाम क्षेत्र के स्कूलों के युवा छात्रों ने वॉकथॉन में पूरे दिल से भाग लिया. इन कार्यक्रमों के बाद एक प्लोगथॉन का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं और बच्चों ने सक्रिय रूप से आसपास की सफाई में भाग लिया और स्वच्छ भारत, हरित भारत के संदेश का प्रसार किया. ब्रिगेडियर तरुण नरूला, कमांडर, चिनार एयर डिफेंस ब्रिगेड, समारोह के मुख्य अतिथि ने स्वयं स्वच्छता अभियान प्लोगैथॉन में भाग लेकर दूसरों के लिए एक मिसाल कायम की. अपने संबोधन के दौरान, उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम शांति और सद्भाव और समाज के सभी स्तरों के सतत विकास में योगदान देने के लिए चिनार कोर के समग्र प्रयासों के एक हिस्से के रूप में आयोजित किया गया है.

कश्मीर, जी-20 की बैठक और विदेश नीति

4 वर्षों के दौरान घाटी को लेकर आए ड्रास्टिक चेंज

नई दिल्ली। भारत इस वर्ष जी-20 देशों का नेतृत्व कर रहा है और देश के विभिन्न शहरों में इसी से संबंधित बैठकों का आयोजन किया जा रहा है. तैयारियों को लेकर चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी समेत दुनिया के 20 देशों के प्रतिनिधि इसी सिलसिले में भारत के दौरे पर हैं. भारत जी-20 समूह की एक बैठक कश्मीर में कर रहा है और उसकी मेजबानी के लिए जोर-शोर से तैयारी हो रही है. पाकिस्तानी पक्ष ने हमेशा की तरह अपना कश्मीर-राग आलापा है, लेकिन भारत उसको लेकर तनिक भी चिंतित नहीं दिख रहा है. जब 2019 में अनुच्छेद 370 को कश्मीर से हटाया गया, उसके बाद से ही लाल चौक के घंटाघर पर लगातार भारतीय तिरंगा लहरा रहा है. इसके पहले जब कश्मीर में आतंकवाद जोरों पर था तो वहां कई बार पाकिस्तानी झंडे लहराए जाते थे. अलगाववादियों के प्रदर्शन और पत्थरबाजी की भी घटनाएं वहां बहुत होती थीं. अब केंद्र सरकार ने श्रीनगर को स्मार्ट सिटी बनाने का फैसला लिया है. इसके तहत घाटी की राजधानी श्रीनगर के व्यापारिक केंद्र लाल चौक का भी रूप-रंग बदलने की तैयारी की जा रही है. दरअसल, श्रीनगर के बिल्कुल केंद्र में आज से चार दशक पहले तब के मुखिया शेख अब्दुल्ला ने लाल चौक बनवाया था. उसका नाम रखने के पीछे यह भी कारण बताया जाता है कि चूंकि नेहरू को साम्यवादी रूस पसंद था, इसलिए उनको खुश करने के लिए शेख अब्दुल्ला ने यह नाम रखा. इसका घंटाघर बाद में कश्मीर की एक तरह से पहचान ही बन गया. हरेक जगह उसके फोटो छपे और कश्मीर की कोई भी खबर आती थी, तो उस घंटाघर को ही बैकग्राउंड में रखा जाता था. अब सरकार ने जब कश्मीर को स्मार्ट सिटी बनाने का फैसला किया है, तो घंटाघर की भी सूरत बदलेगी. इसको लेकर कश्मीर की कुछ स्थानीय पार्टियां विरोध में भी हैं कि कश्मीर के इतिहास और कल्चर को खत्म करने की साजिश हो रही है. हालांकि, सरकार ने कहा है कि यह केवल उसको सुंदर बनाने की कवायद है. पाकिस्तान भले ही आज कई तरह की मुसीबतों से जूझ रहा है, लेकिन श्रीनगर में हो रही इस बैठक को रोकने के लिए वह लगातार जी-20 में शामिल अपने सहयोगी देशों जैसे सऊदी अरब, तुर्की और चीन के साथ लॉबिंग कर रहा था. चीन चूंकि जब-तब अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता रहता है, इसी वजह से उसने बीते महीने अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के चीनी नाम जारी किए. चीन ने यह कदम इसलिए उठाया था क्योंकि भारत ने

अरुणाचल में भी जी-20 की बैठक रखी थी. हालांकि, नाम बदलने का काम चीन इससे पहले भी दो बार कर चुका है. भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने हालांकि इस कदम पर यही जवाब दिया कि नाम बदलने से अरुणाचल की हकीकत नहीं बदल जाएगी. इसके बाद भारत सरकार ने 4000 करोड़ रुपए की योजना से अरुणाचल के 450 गांवों को विकसित करने का काम शुरू कर दिया है. पाकिस्तान की तरफ से हो रहे विरोध का भारत ने कोई संज्ञान नहीं लिया है. भारत के जी-20 कैलेंडर के मुताबिक इस समूह की बैठक 22 से 24 मई के बीच श्रीनगर में होगी. अंदाजा है कि अरुणाचल प्रदेश की तरह ही चीन, श्रीनगर में होने जा रही बैठक से भी दूरी बना सकता है. हालांकि, इसमें कोई दो राय नहीं कि बैठक श्रीनगर में ही होगी.

कश्मीर में पिछले 4 वर्षों से जो नीतियां लागू की जा रही हैं, वह देश की बदलती गृह नीति और विदेश नीति का सूचक है. जैसा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान के असोसिएट प्रोफेसर रणविजय बताते भी हैं, यह दरअसल हमारी विदेशी नीति में ड्रास्टिक चेंज का सूचक है. यह कदम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कश्मीर को भारत का एक अभिन्न बताने और जताने की कोशिश है. यह पहले कोवर्ट था, पर अब हम खुलकर सामने आ रहे हैं. कश्मीर को हमने हमेशा भारत का अभिन्न हिस्सा है, पर पहले हम इसको लेकर मुखर नहीं थे. अब हम इसको लेकर मुखर हैं. अब हमारी विदेश नीति बिल्कुल अलग, टॉमस फ्रीडमैन के शब्द उधार लें तो लेवल प्लेइंग फील्ड पर काम कर रही है. अब हमारी विदेश नीति यथार्थवादी अधिक है, हम अपने हितों को मुखर रूप से रख रहे हैं. चाहे वह विदेश मंत्री जयशंकर के बयान हों या फिर डिप्लोमैसी का हमारा काम करने का अंदाज. हम अब बराबरी से बात करते हैं.

दिल्ली में इंडियन स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, था हॉक्स कॉल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सादिक नगर में एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है. सादिक नगर के द इंडियन स्कूल को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली. दिल्ली पुलिस के बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड ने जानकारी देते हुए बताया कि एहतियात के तौर पर स्कूल को खाली करा दिया गया है. जानकारी के अनुसार, इंडियन स्कूल को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है, धमकी मिलने के बाद स्वाट कमांडो और बम निरोधक दस्ते की टीम स्कूल में मौजूद है. वहीं, बम की धमकी मिलने के बाद स्कूल परिसर और इसके आसपास के क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल है. इंडियन स्कूल में मौके पर पहुंची साउथ दिल्ली

की डीसीपी चंदन चौधरी ने बताया कि नवंबर के महीने में भी एक ईमेल आया था लेकिन उसका सर्वर जर्मन से था इसलिए आगे उसका लिंक स्टैबलिश नहीं हो पाया था तो इस बार हम इसे पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं, हम जांच कर रहे हैं.

डीसीपी चंदन चौधरी ने कहा, हमने स्कूल परिसर की दो राउंड जांच करा दी है अब तीसरा राउंड चल रहा है संभावना है कि ये हॉक्स कॉल (फर्जी कॉल) है. डीसीपी ने आगे बताया कि सुबह 10ः50 बजे ई-मेल के जरिए स्कूल को बम की धमकी मिली. हमने सभी छात्रों को बाहर निकाला. हमने मौके पर बीडीटी और बीडीएस की टीमें तैनात कीं. हमने स्पेशल सेल और स्पेशल ब्रांच को सूचित किया. हमने स्वाट टीम के साथ विजुअल सर्च किया है. डीसीपी चंदन चौधरी ने आगे बताया कि इसमें दो राउंड का सर्च ऑपरेशन पूरा हो चुका है, तीसरा राउंड चल रहा है. स्वाट टीम भी मौके पर है. हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह मेल कहां से आया है. संभवतः यह एक फर्जी कॉल थी. पिछले नवंबर में इसी तरह की एक फर्जी धमकी जर्मनी स्थित एक सर्वर से इसी तरह के धमकी भरे ईमेल का पता लगाया गया था.

सीएम बोम्मई की सीट पर हो सकता है कड़ा मुकाबला

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव धीरे-धीरे अब अपने रंग में आ गई है, सभी पार्टियों ने राज्य में प्रचार-प्रसार तेज कर दिया है. इस बीच काफी लेट करते हुए बीजेपी भी अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है. सूबे के मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता बसवराज बोम्मई शिगगांव निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव के मैदान में उतर गए हैं. सीएम ने पार्टी के लिस्ट जारी करने से पहले ही इस सीट पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया था. वहीं कांग्रेस के दिग्गज और जमीनी नेता भी एक बार फिर सीएम को टक्कर देने के लिए तैयार हैं. जेडी (एस) भी इस सीट पर कुछ उलटफेर करने की कोशिश में रहेगी. जानें कर्नाटक के मुख्यमंत्री के गढ़ पर कौन-कौन लड़ रहा है चुनाव.

शिगगांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से बोम्मई लगातार तीन बार से जीतते आ रहे हैं. उन्होंने साल 2008 से ही इस क्षेत्र पर अपना कब्जा जमाया हुआ है. आंकड़े के मुताबिक, यहां हुए पिछले 14 विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय पार्टी जेडी(एस) मात्र एक बार ही जीत पाई है, जबकी इस सीट पर एक बार निर्दलीय उम्मीदवार ने भी बाजी मारी है. सीएम बोम्मई के लगातार तीन टर्म के कार्यकाल को छोड़ दें, तो यहां हमेशा से कांग्रेस का दबदबा देखा गया है. कांग्रेस

ने इस बार शिगगांव सीट से बीजेपी मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए सैयद अज़ीम्पीर एस. खदरी को चुना है. सैयद अज़ीम्पीर इस सीट से साल 1999 में अपने प्रतिद्वंदी बीजेपी को करीब 1600 वोटों से हराया था. हालांकि, सैयद उस समय जेडी(एस) के टिकट पर चुनाव लड़े थे. सैयद वहां के अल्पसंख्यक समाज के कद्दावर नेता माने जाते हैं लेकिन वह सीएम बोम्मई से पिछले तीन चुनावों में हारते आए हैं.

सचिन पायलट के अनशन से गांधी परिवार नाराज

नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के अनशन को लेकर राजस्थान के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बुधवार (12 अप्रैल) को रिपोर्ट सौंपी. रंधावा करीब आधे घंटे तक खरगे के आवास पर रहे. मंगलवार को हुए अनशन से ठीक एक दिन पहले सोमवार को रंधावा ने पायलट के कदम को पार्टी विरोधी बताया था. इसी बीच पायलट भी दिल्ली पहुंचे हैं. न्यूज़ एजेंसी पीटीआई ने पायलट के करीबी सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि फिलहाल पार्टी नेतृत्व के साथ उनकी मुलाकात का कोई कार्यक्रम तय नहीं है. सूत्रों ने बताया कि सचिन पायलट के अनशन से गांधी परिवार नाराज है. सूत्रों ने यह भी बताया कि उनकी प्रियंका गांधी से फोन पर कोई बात नहीं हुई है. सूत्रों ने कहा कि पायलट के धरने को लेकर खरगे ने राहुल गांधी से भी चर्चा की है. वो सोनिया गांधी से भी बात करेंगे और फिर इस पूरे मामले पर फैसला होगा. पायलट के भ्रष्टाचार को लेकर कार्रवाई नहीं करने के आरोप पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में एंटी करप्शन विभाग ने जितने छापे किए उतने तो पूरे देश में नहीं हुए. कितने आईपीएस और आईएएस पर भ्रष्टाचार को लेकर रेड की गई. गहलोत ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य महंगाई कम करना है. इसके अलावा हमारा और किसी चीज़ पर ध्यान नहीं जाता और न जाएगा. पायलट ने राजस्थान में वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली बीजेपी की पूर्ववर्ती सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई की मांग को लेकर मंगलवार को जयपुर में एक दिन का अनशन किया था.

अमृतपाल सिंह की जानकारी देने वाले को पंजाब पुलिस देगी इनाम

नई दिल्ली। वारिस पंजाब का प्रमुख अमृतपाल सिंह करीब 26 दिनों से फरार है. पंजाब पुलिस लगातार उसकी तलाश

में सर्च अभियान चला रही है, लेकिन अब तक उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई है. पंजाब पुलिस के लिए अमृतपाल एक चुनौती बनता जा रहा है. अब अमृतपाल को पकड़ने के लिए पुलिस ने आम जनता से सहयोग मांगा है. बटाला रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने अमृतपाल के पोस्टर लगाए है. इन पोस्टरों पर लिखा है कि कई वांछित मामलों में पुलिस को अमृतपाल सिंह की तलाश है. अगर किसी को कोई जानकारी मिले तो इसकी तुरन्त पुलिस को सूचना दी जाए. पुलिस की तरफ से कहा गया है कि अमृतपाल सिंह की सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा और उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा.

कल्लाकुरिची जिले के डीएम ने सहायक से उठवाए जूते

नई दिल्ली। तमिलनाडु में मंगलवार (11 अप्रैल) को ब्युरोक्रेसी का एक विभत्स रूप देखने को मिला जिसका वीडियो वायरल होने पर उसकी सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है. तमिलानाडु कल्लाकुरिची जिले के कलेक्टर ने कथित रूप से अपने एक सहायक से अपने जूते उठाकर रखने को कहा, जिसकी वजह से विवाद खड़ा हो गया. कल्लाकुरिची जिले के एक कलक्टर सरवन कुमार जटावथ का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें सरवन अपने सहायक को अपने जूते उठाकर रखने को बोल रहे हैं.

ईदगाह में ईद की नमाज को लेकर जम्मू-कश्मीर में घमासान

नई दिल्ली। सामूहिक ईद की नमाज पर बीजेपी नियंत्रित जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड और जम्मू-कश्मीर पुलिस के बीच खींचतान ने कश्मीर घाटी में भ्रम और तनाव पैदा कर दिया है. जबकि वक्फ ने साफ तौर पर प्रार्थनाओं की घोषणा की है और स्थानीय इंतजामिया ने प्रार्थनाओं के कार्यक्रम का एलान किया है. जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इस कदम को हरी झंडी दिखाई है. शव्वाल का चांद दिखने के आधार पर 21 या 22 अप्रैल को ईद-उल-फितर मनाई जाएगी. दरअसल विवाद पिछले मंगलवार को तब शुरू हुआ जब वक्फ अध्यक्ष और बीजेपी नेता डॉ. दरख्शां अंद्राबी ने घोषणा

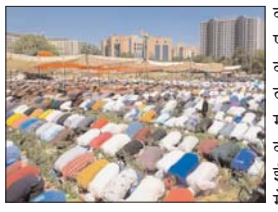

की कि इस साल धारा 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार ऐतिहासिक ईदगाह में सामूहिक ईद की नमाज अदा की जाएगी. सामूहिक ईद की नमाज की तैयारियों की समीक्षा करने के बाद ईदगाह में पत्रकारों से बात करते हुए, जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष दरख्शां अंद्राबी ने कहा कि अगर मौसम ने साथ दिया, तो नमाज अदा की जाएगी. इस साल ईद की नमाज ईदगाह में अदा की जाएगी. कश्मीर में अब अच्छा माहौल है और प्रशासन की कोशिश है कि ईद की नमाज ईदगाह पर ही हो. वहीं जम्मू-कश्मीर पुलिस बड़े पैमाने पर विरोध और हिंसा के पिछले रिकॉर्ड का हवाला देते हुए ईदगाह मैदान में सामूहिक ईद की नमाज के पक्ष में नहीं है.

नीतीश कुमार और राहुल गांधी की मीटिंग में विपक्षी एकता पर अहम फैसला

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों को एकजुट करने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं. इसी कड़ी में उन्होंने बुधवार (12 अप्रैल) को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे गैर पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की. बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह और बिहार सरकार के मंत्री संजय झा भी इस बैठक में शामिल रहे. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बैठक के बाद कहा कि अभी बात हो गई है. हमने काफी देर चर्चा की है. अधिक से अधिक पार्टियों को पूरे देश में एकजुट करने का प्रयास करना है. हम आगे एक साथ काम करेंगे ये तय हो गया है. मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने भी इसे विपक्ष को एक करने में एक बेहद

ऐतिहासिक कदम बताया है. सूत्रों के अनुसार, अप्रैल के अंत तक विपक्षी दलों से बातचीत के बाद सबके साथ एक बैठक होगी. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे विपक्षी दलों से बात करेंगे. सूत्रों का ये भी कहना है कि आज की बैठक में नीतीश कुमार को यूपीए संयोजक बनाने पर कोई चर्चा नहीं हुई. इस महीने के अंत तक ऐसे ही एक और बैठक होने की संभावना है. राहुल गांधी ने इस मीटिंग के बाद ट्वीट किया, विचारधारा की इस लड़ाई में, विपक्ष की एकता की ओर आज एक ऐतिहासिक कदम लिया गया है. साथ खड़े हैं, साथ लड़ेंगे- भारत के लिए. वहीं मल्लिकार्जुन खरगे ने भी ट्वीट कर लिखा, संविधान सुरक्षित रखेंगे और लोकतंत्र बचाएंगे. राहुल गांधी और हमने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव व अन्य नेताओं से मुलाकात कर जनता की आवाज को एक साथ उठाने और देश को नई दिशा देने का संकल्प दोहराया. कांग्रेस नेता अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि बैठक का उद्देश्य सभी दलों को एकजुट करना था. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बाकी (विपक्ष) पार्टी के नेताओं से बात करने का विशेष कार्य दिया गया है.

दबंग थाना प्रभारी कुसुम गोयल ने हत्या के आरोपी को 24 घण्टे मैं गिरफ्तार कर किया न्यायालय में पेश

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे
शिवपुरी। खबर शिवपुरी जिले के गोपालपुर थाने से है जहाँ दिनाक 11.04.2023 को फरियादी रमेश पुत्र रतनू आदिवासी उम्र 60 साल निवासी शिकारीपुरा ग्राम गोपालपुर ने उपस्थित थाना आकर रिपोर्ट की कि आज दिनांक 11.04.2023 के रात्रि करीब 03.00 बजे की बात है कि मेरा दामाद छोटू उर्फ धर्मसिंह आदिवासी और मेरी लड़की कलावती आदिवासी कमरे की छत के ऊपर सो रहे थे तभी मेरी लड़की कलावती की चिल्लाने की आवाज आई तो मैं और मेरा लडका हीरा दौड़कर छत पर गये तो मेरी लडकी ने बताया कि मेरे गले में छोटू ने कुल्हाडी से मार दिया है और छत से कूदकर नीचे भाग गया है। जब मैं चिल्लाया तो मेरा बडा दामाद जयवीर आदिवासी और मोहल्ला वाले आ गये थे तब तक मेरी लड़की कलावती की मृत्यु हो गई थी सो रिपोर्ट करता हूँ कार्यवाही की जाये। उपरोक्त रिपोर्ट पर से मर्ग क्र. 02/23 धारा 174 जा. फी. कायम कर जांच में लिया गया जांच के दौरान आरोपी छोटू उर्फ धर्मसिंह आदिवासी पुत्र महेश आदिवासी निवासी नेनसराय पुरानी शिवपुरी थाना देहात जिला शिवपुरी के विरुध्द अपराध धारा 302, 201 भादवि का बखूबी सिध्द पाये जाने से अप.क्र. 11/23 धारा 302, 201 भादवि का कायम कर विवेचना में लिया गया दौराने विवेचना प्रकरण सदर में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी

व्दारा थाना प्रभारी गोपालपुर को पुलिस टीम गठित कर कार्यवाही हेतु विशेष निर्देश दिये गये जिस पर से श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी के निर्देशन एवं श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी, एसडीओपी महोदय अनुभाग पोहरी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम गठित कर आरोपी को मिलने के संभावित स्थानों पर दबिश देकर तलाश की गई दौराने तलाश मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि थाना गोपालपुर का आरोपी छोटू उर्फ धर्मसिंह आदिवासी धोलागढ फाटक तरफ जाता दिखा है और कहीं बाहर जाने की फिराक में है जैसे ही गोपालपुर पुलिस टीम धौलागढ फाटक थाना सुभाषपुरा पहुंची धौलागढ फाटक चौराहे पर एक व्यक्ति पुलिस की गाड़ी को देखकर भागने लगा जिसे हमराही फोर्स की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा और उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम छोटू उर्फ धर्मसिंह पुत्र महेश आदिवासी उम्र 27 साल निवासी नेनसराय पुरानी शिवपुरी थाना देहात जिला शिवपुरी का होना बताया एवं मृतिका के भाई हीरा आदिवासी द्वारा पहचान कराई गई तो उसने बताया कि यही मेरा जीजा है जिसने मेरी बहन कलावती की कुल्हाडी मारकर हत्या कर दी है और भाग गया है बाद अपराध डायरी से आरोपी का नाम पता का मेल किया गया सही पाये जाने पर उक्त व्यक्ति को उसके जुर्म से अवगत कराया गया जो उक्त व्यक्ति द्वारा खुद की पत्नि कलावती को कुल्हाडी से गले में मारना बताया एवं जुर्म करना स्वीकार किया गया बाद आरोपी को मौके पर पंचानों के समक्ष विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है। आरोपी को गिरफ्तार करने की सराहनीय कार्यवाही में उनि कुसुम गोयल थाना प्रभारी गोपालपुर, सउनि राधाकृष्ण बंजारा, सउनि अजय पटेल, प्रआर.167 अशोक सिंह जादौन, का. प्रआर. 864 घनश्याम सिंह, आर. 826 प्रशान्त गुर्जर, आर.274 धर्मेन्द्र शर्मा, आर.1006 रंजीत यादव, आर. 586 अभिमन्यु यादव, आर.619 पवन धाकड, आर. चालक 970 हरेन्द्र गुर्जर की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

जिले में स्कूल संचालकों की मनमानी उड़ा रहे शासकीय नियमों की धज्जियाँ

स्कूल संचालकों का कहना दस हजार रुपये जमा करो नहीं तो अपने बच्चों को सरकारी स्कूल पड़ाओ, आरटीई अधिनियम 2009 के तहत स्कूल में पड़ रहे बच्चों के पालकों पर बनाते हैं फीस भुगतान के लिए दबाव

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे
शिवपुरी। खबर शिवपुरी जिले के करैरा तहसील के ग्राम सिरसौद से है जहाँ रेनबो पब्लिक हाई स्कूल लूट की दुकान के संचालक श्याम सिंह सोलंकी द्वारा पालकों को स्कूल फीस के नाम पर जमकर लुटा जा रहा है स्कूल संचालक एक वीडियो भी सामने आया है इसमें स्कूल संचालक पालकों को जमकर फटकार लगाते नजर आ रहे हैं आरटीई अधिनियम 2009 के तहत बच्चों का स्कूल में प्रवेश हुआ था एव वीडियो में स्कूल संचालक द्वारा दस हजार रुपये जमा करने की बोला जा रहा है साथ मे यह भी बोला जा है की में तुम्हारे बच्चों को नही पड़ाऊंगा जो करना है कर लो जंहा शिकायत करना है कर दो मेरा कोई कुछ नही बिगड़ सकता। मंगलवार को जनसुनवाई में आवेदन देने आए ब्रजेश लोधी ने बताया कि मेरे दो बालक रेनबो पब्लिक हाई स्कूल

में पड़ते हैं जिनको आरटीई अधिनियम 2009 के तहत स्कूल में प्रवेश मिला है और स्कूल संचालक द्वारा फीस जमा करने के लिए दबाब बनाया जा रहा है और स्कूल संचालक श्याम सिंह लोधी मेरे बच्चों की टी सी कटाने की बार बार धमकी देता है और कहता कि यह कोई सरकारी स्कूल नही यहां बच्चों को पड़ना है तो फीस जमा करनी पड़ेगी, मेरे एक बच्चे को तो परीक्षा में बैठने से वंचित कर दिया है वंही दूसरे बच्चे को भी स्कूल से निकल दिया हैं।

गर्भवतियों को समय पर प्रोत्साहन राशि देना, सराहनीय कार्यः कलेक्टर

हृदय रोगी बच्चों के उपचार हेतु 17 अप्रैल को शिविर आयोजित करने के निर्देश

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना
शिवपुरी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने गर्भवती महिलाओं को प्रथम त्रैमास में शासन द्वारा प्रदाय की जाने वाली प्रोत्साहन राशि समय पर भुगतान किए जाने पर स्वास्थ्य विभाग की सराहना की। बैठक में इसके साथ कलेक्टर स्वास्थ्य योजनाओं और कार्यक्रमों की जमीनी स्थिति से रूबरू हुए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा के साथ जन कल्याणकारी प्रस्ताव भी रखे गए। जिन्हें समिति की स्वीकृति के उपरांत क्रियान्वित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्टर शिवपुरी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जिला स्तरीय अधिकारियों सहित सीबीएमओ, वीपीएम, बीसीएम, बैम उपस्थित रहे।
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जैन ने बताया कि बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सीएम हेल्प लाईन में प्राप्त समस्याओं का निराकरण, जेएसवाय, पीएसवाय के भुगतान, परिवार कल्याण कार्यक्रम, टीकाकरण कार्यक्रम, आरबीएसके, मलेरिया, कुष्ठ, टीबी, मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम, कोविड-19 का

संचरण एवं तैयारियां, एनआरसी आदि की समीक्षा की गई। जिस पर जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ संजय ऋक्षीश्वर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एच.बी.शर्मा, डॉ.अलका त्रिवेदी द्वारा समीक्षा हेतु जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी द्वारा मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए गर्भवती महिलाओं को प्रथम त्रैमास में ही समयानुसार भुगतान किए जाने की सराहना कर कार्य को निरंतर रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को समय पर भुगतान होने से जहां शासन की मंशा पूर्ण हो रही है वहीं उन्हें दी गई वह राशि खासी उपयोगी साबित होती है। बैठक में टीबी कार्यक्रम अंतर्गत बिट्रानिया फाउंडेशन से 500 निक्षय पोषण किट, केमिस्ट एसोसिएशन, डॉक्टर एसोसिएशन द्वारा भी भविष्य में टीबी के मरोजों को पोषण आहार किट प्राप्त होने की जानकारी दी गई। इसी के साथ खंड चिकित्सा अधिकारियों को 5-5 निक्षय पोषण आहार किट का दान प्राप्त करने का लक्ष्य दिया। टीकाकरण कार्यक्रम की सतत मॉनिटरिंग करने तथा विकासखंड स्तर पर मीजल्स रूबेला के शपथ पत्र भरबाने के निर्देश दिए। आरबीएसके कार्यक्रम में बाल रोगियों का उपचार हेतु 17 अप्रैल को एसआरसीसी चिल्ड्रन हॉस्पिटल मुम्बई द्वारा आयोजित हृदय रोग निदान शिविर के प्रचार प्रसार के साथ आरबीएसके चिकित्सकों से संवाद करने को कहा। परिवार कल्याण कार्यक्रम में खनियाधाना ब्लॉक के पिछडने पर नोटिस दिए जाने हेतु निर्देशित किया गया। एनआरसी में समस्त बैड भरने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिए। आयुष्मान भारत योजना में प्राप्त प्रोत्साहन राशि स्टाफ को समय पर वितरित करने तथा प्रकरण आयुष्मान में फाइल करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही ऐसे कर्मचारी चिन्हित करने के निर्देश भी जिन्हें बार बार निर्देश देने के बाद भी कार्य नहीं होता है उन्हें निलंबित करने या सेवा समाप्ति की कार्यवाही के लिए प्रस्तावित करने के निर्देश कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी द्वारा दिए गए।

आबकारी विभाग पिछोर एवं पुलिस थाना मायापुर की संयुक्त कार्यवाही

800 लीटर महुआ लहान एवं 60 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना
पिछोर। अवैध मदिरा के निर्माण संग्रहण बिक्री की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कलेक्टर शिवपुरी के आदेश अनुसार एवं पुलिस अधीक्षक शिवपुरी ब आबकारी अधिकारी शिवपुरी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग पिछोर एवं पुलिस थाना मायापुर की संयुक्त कार्यवाही में ग्राम पिपरोदा ऊवारी में दो स्थानों पर 8000 लीटर महुआ लहान एवं 60 लीटर कच्ची हाथ भट्टी मदिरा बरामद की गई महुआ लहान को मौके पर नष्ट किया गया तथा अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत दो प्रकरण दर्ज किए गए कार्यवाही में मायापुर थाना प्रभारी पूनम सविता आबकारी व्रत पिछोर प्रभारी संजय सिंह वर्मा एवं थाना मायापुर व आबकारी विभाग के स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

मप्र ने बिना शोर के बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति कर उपलब्धि हांसिल की: प्रधानमंत्री श्री मोदी

रामस्वरूप रजक, पुष्पांजलि टुडे
शिवपुरी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज शिक्षकों के हित में महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए घोषणा की कि पूर्व सरकार ने शिक्षकों को पूर्ण वेतन देने के लिए कई साल प्रतीक्षा करने का आदेश निकाला था, जो गलत था। इसे बदल कर नए सिरे से लागू किया जाएगा। अब शिक्षकों को दूसरे वर्ष में ही वेतन की 100 प्रतिशत राशि प्राप्त होने लगेगी। प्रथम वर्ष 70 प्रतिशत राशि के बाद 100 प्रतिशत प्राप्त करने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना होता था। अब यह प्रक्रिया एक वर्ष में पूर्ण हो जाएगी। इसके लिए शिक्षकों को 4 वर्ष की प्रतीक्षा नहीं करनी होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मुख्यमंत्री निवास में नव-नियुक्त शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

22 हजार शिक्षकों की नियुक्ति मौन साधना: प्रधानमंत्री श्री मोदी-प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम के लिए भेजे गए अपने वीडियो संदेश में कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीय मूल्यों के संवर्धन पर जोर देती है। मध्यप्रदेश में व्यापक तौर पर शिक्षकों की भर्ती की गई है। इस साल 22 हजार शिक्षक नियुक्त किए गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इन सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण बात है कि इन शिक्षकों में से लगभग आधे शिक्षक जनजातीय बहुल इलाकों के विद्यालयों में नियुक्त किए गए हैं। इनकी नियुक्ति से सर्वाधिक लाभ ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को मिलेगा। हमारी भावी पीढ़ी को लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार ने इस वर्ष एक लाख से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती का लक्ष्य रखा है, जो प्रसन्नता का विषय है। इस साल के अंत तक 60 हजार शिक्षकों की नियुक्ति का लक्ष्य है। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि मध्यप्रदेश शिक्षा सर्वे में देश में 17 वें स्थान से छलांग लगा कर 5 वें स्थान पर आ गया है। शिक्षा की गुणवत्ता की दृष्टि से मध्यप्रदेश की यह बड़ी उपलब्धि है। मध्यप्रदेश ने बिना शोर मचाए यह उपलब्धि हासिल की। इस तरह का कार्य करने के लिए समर्पण की आवश्यकता होती है। इसके बिना यह संभव नहीं होता। एक तरह से यह मौन साधना का भाव है। शिक्षा के प्रति भक्ति भाव से यह संभव होता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों, सभी शिक्षकों और मध्यप्रदेश सरकार को इस मौन साधना के लिए बहुत-बहुत बधाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्ष के जीवन को देखिए तो आप पाएंगे कि जिन लोगों ने आपके जीवन में सबसे ज्यादा प्रभाव डाला, आपकी माता जी और आपके शिक्षक जरूर होंगे। इसी तरह आपको भी अपने विद्यार्थियों के दिल में जगह बनानी है। आपकी शिक्षा देश का वर्तमान ही नहीं भविष्य भी सँवारे।

12 हितग्राहियों को मौके पर चेक वितरण कर बंद कराई शिकायत

पिछोर सामु.स्वा.केन्द्र पर लगा सीएम हेल्पलाइन समाधान शिविर

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना
शिवपुरी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पिछोर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सीएम हेल्पलाइन समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 45 शिकायतकर्ता उपस्थित हुए जिनमें से 32 शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का संतुष्टिपूर्ण समाधान मौके पर ही किया जाकर शिकायत बंद कराई गई। इस क्रम में 12 हितग्राहियों को रोगी कल्याण समिति से तत्काल चेक का वितरण का वितरण किया गया तथा 18 हितग्राहियों को ऑनलाइन पोर्टल से भुगतान कर दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य विभाग जन समस्या निराकरण का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इसके लिए विकासखंड स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सीएम हेल्प लाईन समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला घर-घर जाकर भी समस्या का निराकरण कर रहा है।
आज पिछोर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पिछोर व खनियाधाना विकासखंड का समस्या समाधान शिविर का आयोजन हुआ। इस शिविर में जिले से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.संजय ऋक्षीश्वर, डीपीएम डॉ.शीतल व्यास पहुंचे वहीं विकासखंड से सीबीएमओ डॉ.अमर सिंह जनोरिया एवं डॉ.रोहित भदकारिया अपनी अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। शिविर में कुल 45 शिकायतकर्ता हितग्राही उपस्थित हुए जिनमें से 32 शिकायतकर्ता की समस्या का तुरंत समाधान किया गया। इनमें पिछोर विकासखंड के 24 तथा खनियाधाना विकासखंड के 8 शिकायतकर्ता शामिल थे। इनमें 12 हितग्राहियों को तत्काल चेक के माध्यम से तथा 18 हितग्राहियों का ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भुगतान किया गया। डॉ.पवन जैन ने बताया कि कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में पिछोर विकासखंड में 02 दिवस में 39 शिकायतों का संतुष्टि पूर्ण निराकरण किया जा चुका है।

आईटीआई के छात्रों में इंजीनियरिंग कॉलेज में भ्रमण करके नई तकनीकों को जाना

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के निर्देशानुसार तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के अपर मुख्य सचिव द्वारा गत दिवस भ्रमण किया गया। आईटीआई के छात्रों को भी नई तकनीकी की जानकारी देने और इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा तैयार नवनिर्मित लैब का भ्रमण कराने के निर्देश दिए थे। शासकीय आईटीआई शिवपुरी के व्यवसाय विद्युत कार एवं इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक के वरिष्ठ प्रशिक्षणार्थियों को यूआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज शिवपुरी के अंतर्गत नवनिर्मित सीओई लैब, पावर जनरेशन एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इसके तहत इंजीनियरिंग कॉलेज में उपस्थित फैकल्टीज के द्वारा आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों को प्रत्येक लैब के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। इस मौके पर शासकीय आईटीआई शिवपुरी के प्राचार्य एन के मंदसोरवाले द्वारा यूआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज शिवपुरी के संचालक राकेश सिंघई का आभार व्यक्त किया गया।

नवनियुक्त शिक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण हुआ संपन्न

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना
पिछोर (शिवपुरी)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा आज दिनांक 12 अप्रैल 2023 को स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत पिछोर में 142 नवनियुक्त शिक्षकों का ऑनलाइन प्रशिक्षण शासकीय मॉडल स्कूल पिछोर में संपन्न हुआ। ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान मध्यप्रदेश शासन की मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान बताया गया की मध्यप्रदेश में लाखों बच्चों ने शिक्षकों की पात्रता परीक्षाएं दी थी जिसमें करीब 22400 बच्चे चुनकर नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर रहे हैं तोआप सभी हजारों में एक तो हो ।आज आपको एक बहुत बड़ा अवसर मिला है जो आप आज भावी पीढ़ी का निर्माण करें एवम शिक्षा जैसे कार्य को मेहनत लगन से करे।उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में भी शिक्षकों को बताया।साथ ही सभी नवनियुक्त शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।
ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षाराज्य मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने बताया कि भारत की शिक्षा एवम शिक्षादर्शन में शिक्षा के स्तर दो चीजों को आधार स्तंभ माना गया है एक प्रकृति से तप एवं संस्कृति से शिक्षा इन दोनों आधार स्तंभ के आधार पर भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति तैयारी

हुई है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पवित्र कार्य को नीचे तक उतारने के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका हमारे शिक्षकों के हाथों में ही है नवनियुक्त सभी शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश में युवाओं को सरकारी नौकरी देने का अभियान तेज गति से चल रहा है अलग-अलग जिलों में रोजगार मेलों का आयोजन कर विभिन्न पदों पर हजारों युवाओं की भर्ती की गई है इनमें से 22400 से अधिक युवाओं कि शिक्षक के पद पर भर्ती हुई है आज अनेकों युवाओं की नियुक्ति पत्र भी मिले हैं। मैं सभी युवाओं को शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में जुड़ने के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं भारत सरकार में आधुनिक और विकसित राष्ट्रों को देखते हुए कौशल और भारतीय मूल के संवर्धन पर जोर देती है इस नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रशिक्षण में उपस्थित विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद गुप्ता, डीडीओ एवम कन्या संकुल प्राचार्य धर्मेंद्र पटेरिया जिले से प्रतिनिधि के रूप में वत्सराज राठौर,मॉडल स्कूल के प्रभारी प्राचार्य जितेंद्र पुरोहित,अनिल गुप्ता,संवाद मित्र आनंद लिटोरिया एवम समस्त नवनियुक्त शिक्षक उपस्थित थे।

जरूरतमंद साधर्मिकों की सेवा सर्वोच्च भक्ति हैः तेजराज गुलेच्छा

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू-जैन धर्म में साधर्मिक सेवा को जिनेश्वर भक्ति के समकक्ष माना गया है, जरूरतमंदों की सेवा व सहायता से न केवल पुण्यानुबंध पुण्य का कार्य है अपितु इससे आत्मसंतुष्टि के साथ परमात्मा के निकटता का आभास होता है अतः साधर्मिक भक्ति को सर्वोच्च भक्ति माना गया है। यह बात जीतो अपेक्स सलाहकार समिति के अध्यक्ष तेजराज गुलेच्छा ने बैंगलुरु जीतो की अतिमहत्वाकांक्षी योजना जीतो साधर्मिक भक्ति की नव नियुक्त समिति की जीतो कार्यालय में आयोजित प्रथम सभा में कही। साथ ही उन्होंने सभी दानदाताओ को वंदन करते हुए कहा कि इस योजना में पुण्य से अर्जित लक्ष्मी का दानदाता दिल खोलकर अर्जन कर रहे है। समिति के मार्गदर्शक प्रकाश सिंघवी ने सभा में कहा कि कोरोना जैसी महामारी में जब एक दूसरे से मिलना और रोजी रोटी कमाना दूभर हो गया था उस परिस्थिति में बैंगलुरु जीतो ने जरूरतमंदों को चिकित्सा शिक्षा मासिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर समाज में एक मिसाल कायम की। जीतो बैंगलुरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने सभा में चर्चा के दौरान अपने सुझाव रखते हुए कहा कि जीतो को समाज के अंतिम जरूरतमंद तक अपनी पहुँच बनानी होगी। जीतो नार्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने

सभी जीतो सदस्यों से अनुरोध किया कि साधर्मिकों को जीतो की इन लाभकारी योजना से जोड़ने में मदद करे। जीतो साधर्मिक भक्ति योजना के नव नियुक्त अध्यक्ष अशोक गजानन ने योजना का ब्योरा देते हुए बताया कि समाज के लिये व्यावहारिक रूप से एवं प्रणालीबद्ध से कार्य करने वाली इस योजना में शिक्षा सेवा के अन्तर्गत पिछले 10 वर्षों से गतिमान एज्यूकेशन स्कॉलरशिप के साथ 2019 में फैली वैश्विक महामारी कोरोना में समाज के जरूरतमंदों को निःशुल्क मेडिक्लेम सहायता एवं मासिक सहायता के रूप में आर्थिक सहायता पहुचाना प्रारंभ की गई और यह सभी सेवाये अनवरत रूप से चलायमान है। साथ ही उन्होंने बताया कि योजना प्रारंभ से लेकर अब तक 21874 जरूरतमन्द व्यक्ति/परिवार लाभान्वित हो चुके है। योजना के नव नियुक्त मंत्री सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार सुचारू रूप से चलने वाली इस महत्वपूर्ण योजना में जीतो अपेक्स के पूर्व उपाध्यक्ष पारस भंडारी, अपेक्स श्रमण आरोग्यम के अध्यक्ष रमेश हरण, जीतो बेंगलुरु के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र गांधी व श्रीपाल खिवेसरा व अशोक नागोरी, योजना के पूर्व कोषाध्यक्ष भेरूमल भंडारी व अपेक्स जेएटीएफ के पूर्व उपाध्यक्ष प्रमोद भंडारी का मार्गदर्शन तथा केकेजी जोन जेएटीएफ अध्यक्ष रमेश बोहरा, योजना कोषाध्यक्ष अशोक मेहता, पवन रांका, उदय जैन,नरेंद्र वेदमुथा, निर्मल बाफना, अमित कोठारी इत्यादि की समिति सदस्यों के रूप में सेवाये अपेक्षित रहेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि योजना की विशालता को देखते हुए और भी सदस्यों को जोड़ने का विकल्प खुला रखा गया है।

जसांवली सरकार पर सांसद स्पर्धा खेल प्रतियोगिता संपन्न

पंकज त्रिपाठी, पुष्पांजली टुडे

भिण्ड (रौन)। म.प्र. जन अभियान परिषद (योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग म.प्र. शासन) विकासखंड रौन के मार्गदर्शन में क्षेत्र के सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री जसांवली सरकार पर सांसद स्पर्धा खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत वॉलीबॉल, गोला फेंक एवं बालिका दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग एक दर्जन ग्रामों से युवाओं ने भागीदारी की उक्त कार्यक्रम में विजेता खिलाड़ियों को रूप चौधरी रूपनारायण सेवा समिति, ग्राम हमीरपुरा एवं जसावली सरकार युवा मंडल के संयुक्त तत्वाधान में खेलो का आयोजन आयोजन कराया गया। खिलाड़ियों कों स्मृति चिन्ह, मेडल एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद ब्लॉक रौन के ब्लॉक समन्वयक जय प्रकाश शर्मा ने कहा कि खेलों का युवाओं के जीवन में अधिक महत्व है खेलों से युवाओं का मस्तिष्क विकसित होता है, इसलिए छात्र एवं छात्राओं को पढ़ाई के साथ - साथ खेलों पर भी विशेष महत्व देना चाहिए मुख्य वक्ता सुनील दुबे भिंड ने कहा कि अच्छे खिलाड़ी को कभी भी धैर्य नहीं खोना चाहिए अर्थात वह हार में भी निराश ना हो तो निश्चित ही उसकी एक ना एक दिन जीत अवश्य होगी। मुख्य अतिथि मंछड पुलिस चौकी प्रभारी विवेक कुमार ने कहा कि खिलाड़ियों को हमेशा मैत्री भाव से खेलना चाहिए मंचासीन अतिथियों में सर्व प्रेम नारायण बरुआ, अनिल बोहरे, मनोज त्यागी,अंकित दुबे रहे कार्यक्रम का सफल संचालन मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के परामर्शदाता एवं वरिष्ठ साहित्यकार हरी बाबू निराला ने किया अंत में आभार प्रदर्शन नवांकुर संस्था जसावली सरकार युवा मण्डल से रामबीर सिंह द्वारा किया गया । इस दोरन एक सेकड़ा से अधिक लोग उपस्थित रहे।

कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव जेपी अग्रवाल का भिण्ड दौरा स्थगित

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय महासचिव व मध्यप्रदेश प्रभारी पूर्व सांसद जेपी अग्रवाल के अचानक अस्वस्थ होने के कारण मध्यप्रदेश में होने वाले 12 अप्रैल से 17 अप्रैल 2023 तक का दौरा स्थगित हो गया है। भिण्ड जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने बताया कि राष्ट्रीय महासचिव श्री अग्रवाल के स्वस्थ होते ही भिण्ड दौरे की नई तिथियाँ, स्थान व कार्यक्रम की जानकारी सभी कार्यकर्ताओं को दे दी जाएगी।

सामाजिक समरसता भाजपा का मूल उद्देश्यः विक्रांत सिंह कुशवाह

सामाजिक न्याय सप्ताहकार्यक्रम के निमित्त भारतीय जनता युवा मोर्चा ने लगाया भीम नगर में स्वास्थ्य का आयोजन हुआ

भिण्ड । भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी संतोष सिंह भदोरिया द्वारा बताया गया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्थापना दिवस पर चलाए जा रहे सामाजिक न्याय सप्ताह कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विक्रांत सिंह कुशवाह एडवोकेट के नेतृत्व में अयोध्या बस्ती वार्ड क्रमांक 4 भीम नगर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जन सहयोग के साथ किया गया। चिकित्सा जिला संयोजक डॉ शिवकुमार राजौरिया ने अपनी टीम के साथ मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाई वितरित की और इलाज के लिए उनको सलाह दी गई। भाजयुमो के स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा 100 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें खांसी जुखाम बुखार ब्लड प्रेशर एवं शुगर तथा हेल्प जैसे कई बीमारियों के मरीजों ने अपना परीक्षण कराया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में भाजयुमो के जिला अध्यक्ष विक्रांत सिंह कुशवाह ने कहा सामाजिक समरसता भाजपा का मूल मंत्र है सेवा और समर्पण विचारधारा है हम यही भाव लेकर आप सभी का स्वास्थ्य परीक्षण करा रहे हैं हमारे विशेषज्ञ टीम आपका परीक्षण करेगी और निशुल्क दवाइयां देगी। भाजयुमो जिलाध्यक्ष विक्रान्त सिंह कुशवाह , ह्रदेश पुरोहित,अंकित मिश्रा,सरजन नरवरिया रितेश भदौरिया अरुण भार्गव, सौरभ जैन आदि लोग शामिल थे।

धूमधाम से मनाया जायेगा भगवान श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव

पंकज त्रिपाठी, पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भगवान श्री परशुराम के आगामी 22 अप्रैल अक्षय तृतीया को जन्मोत्सव मनाये जाने के संबंध में आज ब्लाक ऑफिस के सामने बाईपास रोड स्थित श्रीपरशुराम मंदिर प्रागंण में ब्राह्मण महासभा भिण्ड के तत्वाधान में विप्र समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के प्रारंभ के पूर्व भगवान परशुराम जी की मूर्ति पर रोली गुलाल लगाकर माल्यर्पण कर पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष भगवानदास सैंथिया की अध्यक्षता में बैठक की कार्यवाही आरंभ हुई। जिसमें दिनांक 22 अप्रैल 2023 को अक्षय तृतीय के पर्व पर भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव बडे ही धूमधाम के साथ मनाये जाने के संबध में उपस्थित विप्र महानुभाव के द्वारा अपने विचार प्रकट किये गये। बैठक में निर्णय लिया गया की चल समारोह शाम 4 बजे से बड़े हनुमानजी के मंदिर अटेर रोड़ से प्रारंभ किया जाएगा। जो परेड चौराहा,बजरिया,किला, माधोगंज हाट,जेल रोड होते हुए लहार चुंगी के रास्ते भगवान परशुराम छात्रावास परिसर में सभा

के रूप में संपन्न होगा। जहां भगवान परशुराम मंदिर में उनकी पूजा अर्चना और महा आरती कार्यक्रम होगा। बैठक में बड़ी संख्या में बुजुर्गो और युवाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भगवान दास सैंथिया जिला अध्यक्ष ब्राह्मण महासभा भिंड, माधौराम शर्मा दरोगा, जगदीश शर्मा, कृपाशंकर शर्मा, राजेश शर्मा, मनोज देपुरिया, राजीव त्रिपाठी, कल्याण प्रसाद कटारे, डा.राधेश्याम शर्मा,बीरेंद्र राजौरिया, डॉ.जगदंबा प्रसाद शर्मा, संदीप मिश्रा, अनिल भारद्वाज, अशोक मिश्रा, देवदत्त चतुर्वेदी, वीरेंद्र जोशी, विनोद कुमार शर्मा, रामकुमार पुरोहित पत्रकार, अनिल बौहरे मुकेश सुरवारिया, सुनील चौधरी फूप, जयकुमार शर्मा सरपंच, पप्पू शर्मा सरपंच प्रतापपुरा, गजेंद्र शर्मा बंटी, सत्तू पाठक, देवेश शर्मा सोनू, राहुल थापक चंदूपुरा, अजय शर्मा पत्रकार, छुटंकी समाधिया, गप्पू कटारे, अनुराग बौहरे अन्नू महाराज, अतुल रमेश पाठक, राजीव बरुआ, आशीष जोशी, प्रतीक पांडेय, मनीष पुरोहित पार्षद, सूरज बरुआ, आदित्य पुरोहित पुरखा, छोटू मिश्रा खेरी उपस्थित रहे।।

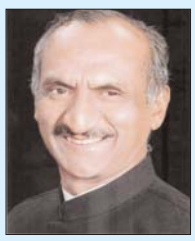

दबोह में चल समारोह के साथ मनाई गई महात्मा ज्योतिवा फुले की जयंती, उमड़ा भारी जन सैलाव

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। नगर दबोह में कुशवाह समाज द्वारा महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती बड़ी धूमधाम के साथ

मनाई गई।इस दौरान भव्य चल समारोह भी निकाला गया।चल समारोह बीज गोदाम दबोह से मुख्य बाजार होते हुए झंडा चौक पर पहुंचा।जहां जगह जगह लोगो ने स्वागत किया।जिसमे मुस्लिम समाज से पार्षद प्रतिनिधि शेरे पठान ने भी स्वागत किया।यह जलसा चल समारोह मोनी आश्रम पहुंचा जहां एक बड़ी सभा के रूप में परिवर्तित हुआ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप राज्यमंत्री डा.राजकुमार कुशवाह मौजूद रहे,विशेष अतिथि भिंड जिला कांग्रेस अध्यक्ष मान सिंह कुशवाह उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्ष मातादीन कुशवाह ने की विशेष अतिथि के रूप में मिहोना नगर पंचायत अध्यक्ष ठकुरी प्रसाद कुशवाह,जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र कुशवाह,भाजपा मंडल अध्यक्ष जबर सिंह कुशवाह लहार,बसपा जिला उपाध्यक्ष श्याम सिंह कुशवाह,जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजा भैया पाल उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र कुशवाह ने किया आभार पार्षद लालता प्रसाद कुशवाह ने किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त डॉ. राजकुमार कुशवाह ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले महापुरुष थे जिन्होंने सर्व जातीय लोगो का हमेशा हित किया।रूढ़ी वादी कुरोतियो को खत्म किया।हम सबको मिलकर अपने महापुरुषों के लिए संघर्ष करना चाहिए।हर घर मे महात्मा ज्योतिवा फुले की फोटू लगाना चाहिए।जिला अध्यक्ष मान सिंह कुशवाह ने कहा यदि संघर्ष नहीं करना चाहते हो तो संघर्ष करने वाले महापुरुषो का इतिहास मत मिटने दें।महात्मा ज्योतिवा फुले,बाबा सहाब डा भीमराव अंबेडकर,माता सावित्री बाई फुले के इतिहास को कभी मिटने नही दूंगा मेरा संघर्ष जारी रहेगा।जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष राजा भैया पाल ने कहा हमारे महापुरुषों के इतिहास को दबाया जा रहा है। इन महापुरुषों को किताबो से दूर रखा गया।हमारी मांग है महात्मा ज्योतिराव फुले लोक माता अहिल्या बाई होलकर के नाम पर शासकीय अवकाश घोषित करे। इस अवसर पर बरथरा ग्राम पंचायत के सरपंच एडबोकेट भगवान सिंह कुशवाह, राजीव सिंह बघेल मंडल अध्यक्ष मछंड, शिवचरण कुशवाह लहार कल्याण सिंह मांझी, एन डी धौलपुरिया, लालता प्रसाद कुशवाह, पार्षद नरेंद्र सिंह कुशवाह, मेहरबान सिंह कुशवाह, राजू कुशवाह, रिंकू कुशवाह, गंधर्व सिंह कुशवाह, जितेंद्र

सिंह, पवन कुमार, रतिराम कुशवाह, मिथलेश, राजकुमार कुशवाह,जयभान सिंह, मोनू तिलक कुशवाह, देवसिंह, उत्तम सिंह,एनडी कुशवाह, रामरतन जी, पहलाद कुशवाह आदि लोग मौजूद रहे।

मोतीलाल मूणोत कप केपीपीएल सीजन-5 क्रिकेट प्रतियोगिता प्रारंभ

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। श्री काँठाप्रांत युवक परिषद ट्रस्ट

बैंगलोर के सानिध्य में प्रति वर्ष आयोजित होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता ÷मोतीलाल मूणोत कप÷ के सीजन-5 की शुरुआत बुधवार को ओकलीपुरम स्थित रेल्वे ग्राउंड में हुई। 12 टीमो अरिहंत एवेंजर्स,पितलिया एवेंजर्स, पी जे चेलेंजर्स,गांधी ग्लेडिएटर्स, कुबेर रॉयल्स, गुग़लिया सुपरकिंग्स, रॉयल कोठारिस, वर्धमान ड्रीम्स 11, हॉरिज़ोन स्ट्राइकर्स, जेएफसीसी वारीयर्स, टीम एमजे एवं केशरी कैपिटल्स के भागीदारी वाली यह क्रिकेट प्रतियोगिता लगातार 4 दिनों तक चलेगी एवं शनिवार शाम को फाइनल मेच खेला जाएगा।

मोतीलाल मूणोत कप की शुरुआत नवकार स्मरण से हुई। काँठा परिषद के सचिव सिद्धार्थ बोहरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि समाज सेवी महेंद्र कुमार हंसराज मूणोत के मुख्य प्रायोजन वाली इस प्रतियोगिता के आयोजन का लगातार पांचवा वर्ष है। साथ ही उन्होंने बताया कि पिछली चार्ट सीजन के खेल से अनेकों खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा के बल पर समाज में अलग ही पहचान मिली। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए राज्य स्तरीय क्रिकेट खिलाड़ी बी ए मोहित ने कहा कि अच्छे खेल के साथ ही खेल भावना को होना जरुरी है। उन्होंने कहा कि एक परिपक्व खिलाड़ी की यही पहचान होती है कि वो मैदान में और मैदान के बाहर एक जैसा व्यवहार रखे। मेच के दौरान अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य प्रायोजक महेंद्र मूणोत ने कहा कि खेल जैसी क्रिया से शारीरिक एवं मानसिक मजबूती मिलती। उन्होंने कहा कि काँठा प्रांत में अनेकों खेल प्रतिभा छुपी हुई है और काँठा परिषद उन प्रतिभाओं को अपना कौशल दिखाने का अवसर प्रदान कर रहा है। केपीपीएल स्पोर्ट्स कमेटी के चेयरमेन विजयराज गुगलिया के अनुसार काँठा प्रांतीय महानुभावों के लिये प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में 18 वर्ष से लेकर 58 वर्ष के सभी आयु वर्ग वाले हिस्सा लेते है। कमेटी के

वाइस चेयरमेन अमित कोठारी ने जानकारी दी कि महेंद्र मूणोत के मुख्य प्रयोजन, ललितकुमार गांधी के फूड प्रयोजन, विनोद चनोदिया के जर्सी प्रायोजन, राजेंद्र कोटरिया के औक्सन प्रायोजन, श्रीपाल खीवेसरा के पारितोषिक प्रायोजन, अमरचंद डागा के हिट ए सिक्स प्रायोजन, वसंतराज पितलिया के ज्यूस प्रायोजन एवं मीठालाल पटवा के पेवीलियन प्रायोजन में यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। परिषद के अध्यक्ष देवराज कोठारी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आयोजन की सफलता में प्रायोजकों एवं टीम मालिकों की महत्वपूर्ण रही है। प्रतियोगिता के प्रथम दिन काँठा प्रांत के सैकडडो महानुभावों ने सिरकत की।

तकनीकी छलांग हेतु 6जी क्षमता जरूरी

केंद्र सरकार ने हाल ही में अगली पीढ़ी की संचार तकनीक के दृष्टिपत्र में 6जी लाने की बात कही है। 5जी नेटवर्क जिसका आगाज दूरसंचार कंपनियों ने अभी पिछले साल ही किया है, और अधिकांश लोग इसका अनुभव अभी ले भी नहीं पाए हैं, 6जी तो उससे कहीं अधिक आगे होगी। हालांकि 6जी के फलीभूत होने में वक्त लगेगा, लेकिन कहा जा रहा है कि इसमें डाटा स्पीड, सीमाओं को लांघते हुए, 1 टैराबिट प्रति सेकिंड होगी जो कि 5जी की गति से 100 गुणा अधिक है। 6जी में नेटवर्क लेटेन्सी या रिस्पॉन्स टाइम एक मिलीसेकिंड से भी कम है, जो व्यक्ति-से-व्यक्ति और मशीन-से-मशीन के बीच संप्रेषण में क्रांतिकारी परिवर्तन ला देगा।

इस किस्म के नेटवर्क का बृहद असर अकल्पनीय है, जीवन का कोई भी पहलू इससे अछूता नहीं रहेगाङ्क शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक और परिवहन से लेकर उत्पादन तक। अहम यह कि, रक्षा विशेषज्ञों की दलील है कि 6जी की सामरिक महत्ता को देखते हुए इसमें निवेश करना अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निवेश जितना महत्वपूर्ण है। यह साल 2020 में द ट्रिब्यून में लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता (सेवानिवृत्त) द्वारा व्यक्त किया गया था।

6जी से टैक्टाइल इंटरनेट और हॉलोग्राफिक संप्रेषण हकीकत बन सकता है। यह नेटवर्क ऑगमेंट रिएल्टी, वर्चुअल रिएल्टी और मिक्स्ड रिएल्टी बनाने में मददगार होगा। न केवल इससे उपयोग का अनुभव बेहतर बनेगा बल्कि इसमें आर्थिकियों का स्वरूप बदलने की संभावना भी है। 6जी को हकीकत में बदलने के लिए नई नेटवर्क तकनीक, उपकरण, मानक इत्यादि जरूरी होंगे। ऐसे में, जबकि 5जी का अनुभव पूरी तरह लेना बाकी है, अगली पीढ़ी (6जी) को विकसित करने की गंभीर कोशिशें हो रही हैं।

भारत का संचार दृष्टि पत्र कहता है कि बतौर विश्व के दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम बाज़ार, भारत को प्रौद्योगिकी विकास करके दुनिया में अग्रणी नेट तकनीक प्रदाता और उत्पादक बनना होगा। इसलिए, छठी पीढ़ी की टेलीकॉम तकनीक को विकसित और परिष्कृत करने की प्रक्रिया में सक्रियता से भागीदार बनना होगा। साल 2022 में सरकार ने एक कार्यबल का गठन किया था जिसे खासतौर पर यह पड़ताल करने को कहा गया कि भारत टेलीकॉम क्षेत्र में वैश्विक बढ़त कैसे बना सकता है। इसके परिणामस्वरूप 22 मार्च को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किया गया यह दस्तावेज उद्योगों, शिक्षा संस्थानों और सेवाप्रदाताओं के द्वारा अनुसंधान एवं विकास करने और नई तकनीकों के प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट प्रोटोटाइप इत्यादि के विकास में तरजीहों की पहचान करने का आह्वान करता है। इसकी प्राप्ति दो चरणों में होगीङ्क प्रथम चक्र (2023-25) में खोजपूर्ण अनुसंधान और बौद्धिक संपदा का विकास करना है तो द्वितीय चरण (2023-30) में परीक्षण के बाद व्यवसायीकरण करना।

उद्देश्य है एक किफायती, सर्वव्यापी और टिकाऊ टेलीकॉम तकनीक का विकास। यह बड़ी महत्वाकांक्षा है क्योंकि वर्तमान में 5जी में इनमें एक भी विशेषता नहीं है। एक ओर जहां भारत लंबी तकनीकी छलांग लगाकर 6जी क्षमता बनाने की चाहत रखे हुए है और कहता है कि यह नेटवर्क किफायती, सर्वव्यापी और टिकाऊ होगा वहीं 35000 भारतीय गांवों में आज भी पायेदार 2जी स्तर की सुविधा तक नहीं है। वहीं भारत की इसके द्वारा विकसित 6जी तकनीक की बाकी दुनिया में स्वीकार्यता की इच्छा की बात दस्तावेज की अति महत्वाकांक्षा दर्शाती है।

आज दुनिया में 6जी तकनीक क्षेत्र में एक-दूसरे से बढ़त बनाने की दौड़ जारी है। टेलीकॉम उद्योग जगत के नेतृत्व वाले नेक्सट जी एलायंस ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने 50 तकनीकी पहलुओं को चिन्हित किया है, जिसमें सिस्टम कॉम्पोनेंट, रेडियो टेक्नोलॉजी, नेटवर्क आर्किटेक्चर, सिक्योरिटी, विश्वसनीयता, निजता और लचीलापन इत्यादि शामिल हैं। दक्षिण कोरिया ने साल 2021 में अपने विश्वविद्यालयों में तीन 6जी अनुसंधान केंद्र स्थापित किए हैं और अपने लघु एवं मध्यम उद्यमों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान केंद्रों के सम्मिलित अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा दे रहा है। यूरोपियन 6-जी दृष्टिपत्र के ध्यान का केंद्र इंटेलीजेंट नेटवर्क मैनेजमेंट एंड कंट्रोल, इंटीग्रेटेड वायरलेस सेंसिंग एंड कम्युनिकेशन, एनर्जी एफीशिएंसी एंड स्केलेबिलिटी है। वहीं जापान का ध्यान अधिकांशतः इंटीग्रेटेड ऑप्टिक्स एंड वायरलैस नेटवर्क फोरम की योजना में कॉगनिटिव कैपेसिटी, रिस्पॉन्सिवनेस, स्केलेबिलिटी बनाने पर है। 6जी तकनीक का विकास करना उन तकनीकों में एक है, जिनमें चीन अगले दशक में सिरमौर बनने की चाहत रखता है। भारत का 6जी दृष्टिपत्र उस प्रमुख अनुसंधान मार्ग की पहचान करता है जिसको लेकर वैश्विक प्रयास हो रहे हैं और जो भारतीय परिप्रेक्ष्य में नई संभावनाओं के लिए विशेषतौर पर प्रासंगिक हैं। इसको पहले नीतिगत रूप में और फिर क्रियान्वयन स्तर पर तब्दील करने की खातिर अनुसंधान एवं विकास मद में दीर्घकालीन धन मुहैया करवाने की जरूरत पड़ेगी। नेक्सट जी-एलायंस के संस्थापकों की सूची में एटीएंडटी, बेल, इंटैल, सैमसंग, एप्पल, डेल, सिस्को, एरिक्सन, गूगल, हैलियु पैकर्ड, एलजी, माइक्रोसॉफ्ट, नोकिया इत्यादि नामी कंपनियां हैं। कोरिया, जापान और यूरोप में 6जी पहल कार्यक्रम को बड़े स्तर पर उद्योगों की भागीदारी के अलावा सरकारी मदद भी मिल रही है। इसके बरक्स भारतीय योजना पूर्णरूपेण सरकार नीत है। उम्मीद है कि टेलीकॉम उत्पादक और सेवा प्रदाता इस अभियान में जुड़ेंगे लेकिन अगुवाई फिर भी नहीं करने वाले। आईआईटी में पहले ही इस नई तकनीक पर काम हो रहा है और उन्हें आगे बढ़ावा देना चाहिए। 6जी तकनीक के व्यवसायीकरण के लिए उद्योग जगत और अनुसंधान शिक्षा संस्थानों की जुगलबंदी अहम है। विज्ञान और तकनीक विभाग ने पांच साल पहले साइबर-फिजिक्स सिस्टम बनाने की घोषणा की थीङ्क जो कि 6जी तकनीक का भी एक अवयव है-लेकिन इसमें प्रगति बहुत धीमी रही है। यदि भारत सरकार 6जी तकनीक के विकास और क्रियान्वयन में सच में गंभीर है तो आरएंडडी के लिए प्रतिबद्ध होकर धन मुहैया कराना होगा, यह काम मौजूदा एजेंसियों या नए तंत्र के जरिये किया जा सकता है। किंतु दृष्टिपत्र में इस पर स्पष्टता नहीं है। बेशक इसमें यह जिक्र है कि अनुसंधान और विकास के लिए विभिन्न तरीकों से, मसलन, अनुदान, ऋण और वीसी फंड्स इत्यादि से धन मुहैया करवाया जाएगा और अगले 10 साल में 10,000 करोड़ उपलब्ध करवाये जाएंगे। लेकिन यह नहीं कहा गया कि क्या यह धन सरकार देगी। भारत के स्वदेशी टेलीकॉम अनुसंधान में एकमात्र गौरतलब उपलब्धि है 1980 के दशक का डिटिजल रूरल स्विच डेवेलपमेंट प्रोग्राम, और यह सरकारी धन से संभव हो पाया था। सेंटर फॉर डेवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) की स्थापना ग्रामीण अंचल के लिए डिजिटल टेलीफोन एक्सचेंज बनाने के लिए हुई थी। इसके लिए 36 करोड़ रुपये का प्रावधान और 36 महीने का समय दिया गया था और इसने यह काम कर दिखाया। यह तकनीक भारत के निजी क्षेत्र को हस्तांतरित की गई और आगे कई विकासशील देशों ने भी ली थी।

संपादकीय

सम्मान निधि में सेंध

यह विडंबना ही है कि चौतरफा चुनौतियां झेल रहे किसानों को राहत देने के लिये दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के आवंटन में चतुर-चालाकों ने फर्जीवाड़ा कर डाला। नियंत्रक व महालेखा परीक्षक यानी कैग की वह रिपोर्ट चौंकाती है, जिसमें उल्लेख है कि हरियाणा में 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना में करीब 38 हजार 105 अयोग्य किसानों ने सरकार के करीब चालीस करोड़ से अधिक रुपये डकार लिये। फिलहाल यह जानकारी प्रधानमंत्री किसान पोर्टल के जरिये जुटायी गई है। जमीनी स्तर पर यदि मामले की पड़ताल हो तो फर्जीवाड़े के दायरे में निश्चित रूप से विस्तार पाया जायेगा। यदि देश के सभी राज्यों में इस दिशा में गंभीर जांच-पड़ताल हो तो फर्जीवाड़े का आकार बड़ा हो सकता है। यह विडंबना रही है कि देश का असली किसान ऑनलाइन व्यवस्था व नई आर्थिकी को लेकर ज्यादा जानकार व जागरूक नहीं रहा है। कभी वह सूदखोरों, बिचौलियों तथा आढ़तियों की चपेट में रहा है तो अब नये जमाने के पढ़े-लिखे ठगों ने किसानों के हक का दोहन करना शुरू कर दिया है। जाहिर है यह मामला सिर्फ अयोग्य किसानों का ही नहीं है। तंत्र की काली भेड़ें भी इस घपले में शामिल हो सकती हैं। बिना विभागीय कर्मचारियों व अधिकारियों की शह के ऐसा संभव नहीं है कि कोई वास्तविक जरूरतमंद किसानों का हक हड़प ले। एक बात तो तय है कि जब से किसानों को राहत-मुआवजा व सब्सिडी राशि ऑनलाइन सिस्टम के जरिये मिलने शुरू हुई है किसी हद तक धांधलियों पर रोक लगी है।

दुख- दर्द

खुद को लगे चोट तो आह है निकलती,
दिखाकर आंख दूसरों को नफरत है झलकती,
होता है जैसे खुद को कष्ट,
फिर क्यों कर रहा दूसरों को नष्ट,
मन बुद्धि को जरा सोच में लगा,
प्यार की जोत भी कभी तो जगा,
काट कर दूसरों को न समझ शान,
दूसरों का दुख -दर्द भी तो जान।

मजाक औरों पर करना नहीं देता शोभा,
असहाय जीवों को तड़पा नहीं बनता योद्धा,
सदा जीवित रहने का छोड़ वहम,
बहुत हो गया अब तो कर कुछ रहम,
तन तेरा दे देगा एक दिन जवाब,
सर्वशक्तिमान बनने का अधूरा है ख्वाब,
आएगी ध्वनि कहीं से रख खुले कान,
दूसरों का दुख -दर्द भी तो जान।

खून खराबा करने वाले दुश्मन कहलाते,
सर्वे सर्वा इस धरती पर खुद को कहाते,
जिसका दिल दुखाया कर्म बुरा पाएगा,
धरती पर खुद ही रोता -रोता जाएगा,
पशु -पक्षी वनस्पतियां सबकी हितकारी,
छोड़ अलाप मजबूरी का नहीं कोई लाचारी,
दुख औरों का न जाना तो होंगे बदनाम,
दूसरों का दुख -दर्द भी तो जान।

जिसने सदा दूसरों को सताया,
दुख उसने भी कम नहीं पाया,
कर्म का फल सबको है सहना,
जिस हाल में रखे ईश्वर उसी हाल में रहना,
कुछ पल के आनंद के लिए न कर परेशान,
समय के साथ परिस्थितियां कर देगी हैरान,
न करना न कराना कभी विषपान,
दूसरों का दुख- दर्द भी तो जान।

डॉ विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़

दोषपूर्ण नीतियों के बनें कारगर विकल्प

पिछले दिनों देशभर के किसान मजदूरों ने राजधानी दिल्ली में भारी संख्या में जाकर जिस तरह सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई वह अपने आप में अभूतपूर्व ही कही जाएगी। निस्संदेह किसान आंदोलन के मूल में खेती में निरंतर गहरा रहा संकट ही है। इसी संदर्भ में ग्रामीण जनता में जो असंतोष भिन्न-भिन्न रूप में प्रकट हो रहा है, उसका एक मुख्य कारण निश्चित तौर पर कृषि का घाटे का सौदा साबित होना है।

इस स्थिति में लाल झंडे लहराते हुए रामलीला मैदान को भरने वाले कश्मीर से कन्याकुमारी तक से आए लोग आखिर कौन थे? वह मुख्य तौर पर संगठित व असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, संकटग्रस्त किसान, कामकाजी महिलाएं और खेतिहर मजदूरों के संगठनों द्वारा की गई लामबंदी थी।

भारत में आश्चर्यचकित करने वाली आर्थिक विषमता का निरंतर बढ़ना भी इसी की पुष्टि करता है कि कार्पोरेट के महामुनाफे सुनिश्चित करने का लक्ष्य सत्ताधारी वर्गों की सर्वोच्च प्राथमिकता बना हुआ है। 45 लाख करोड़ रुपये के जिस केंद्रीय बजट को संसद के हंगामे के बीच मात्र 12 मिनट में पास कर दिया गया उसमें बेरोजगारी और महंगाई जैसी दो बड़ी समस्याओं का संबोधन सिरे से नदारद है। बजट में कृषि क्षेत्र और मनरेगा की बड़ी कटौतियों को लेकर न केवल किसान व मजदूर संगठन बल्कि अनेक जाने-माने अर्थशास्त्रियों और कृषि विशेषज्ञों ने भी तीखी आलोचना की थी। अफसोस की बात है कि इन आवंटनों में की गई कटौतियां बहाल नहीं की गईं। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के सवाल को नकार कर किसानों को कर्ज में धकेला जा रहा है। फसलों के लागत मूल्य में हो रही वृद्धि और उसके अनुपात

में आय के न बढ़ने से कृषि व्यवसाय अवहनीय हो चुका है। प्याज, आलू व अन्य उत्पादों के मूल्यों में भारी गिरावट के खिलाफ कुछ सप्ताह पहले महाराष्ट्र के हजारों किसान व आदिवासियों का लंबा कूच अपने आप में नीचे पनप रहे रोष को ही दर्शाता है।

जलवायु परिवर्तन से होने वाले मौसम बदलाव से फसलों की खराबी एक स्थाई समस्या बन गई है। इस बार कटाई से ठीक पहले पकने की अवस्था में रबी फसलों की बर्बादी इसलिए भी ज्यादा नुकसानदायक है क्योंकि पूरी लागत पहले ही किसान द्वारा लगाई जा चुकी होती है। इन प्रभावित लोगों में वह भूमिहीन और छोटे किसान भी हैं जो किसी की जमीन लेकर ठेके पर खेती करते हैं। ये कर्ज लेकर भूमि के ठेके की रकम शुरू में ही अदा कर चुके होते हैं। इन किसानों को तो फसल खराब की क्षतिपूर्ति भी नहीं होती। उदारीकरण और निजीकरण की नीतियों के परिणामस्वरूप रोजगार के बड़े पैमाने पर अनौपचारिक रूप लिए जाने के चलते स्थाई कार्यों का भी अस्थाई रोजगार हो चला है। श्रम कानूनों के ढीला किए जाने से सेवा सुरक्षा नहीं रही। जिस ठेका प्रथा की समाप्ति की मांग उठती थी वह अब रोजगार की स्थायी नीति बना दी गई है। काम के घंटे बढ़ गए पर न्यूनतम वेतन नहीं बढ़े। श्रम कानूनों को हटाकर लेबर कोड लादे जाने से पुनः बंधुआ प्रथा की ओर ले जाया जा रहा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अनेक आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति धीरे-धीरे बंद कर दी गई है। पांच किलो मुफ्त अनाज की आड़ में 2 रुपये किलो के रेट पर 35 किलो अनाज बंद कर दिया गया है। हरियाणा में तो परिवार पहचान पत्र में मनमानी आय दर्ज करते हुए लोगों को बड़े पैमाने पर सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। सच्चाई की बात तो यह है कि सवाल केवल मात्र जीवन स्तर गिरने तक का नहीं बल्कि आधी से ज्यादा जनसंख्या के अस्तित्व मात्र का खड़ा हो गया है। यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत का संविधान केवल जीने का अधिकार नहीं बल्कि 'मर्यादा' से जीने का अधिकार प्रदान करता है। इसलिए अपने बुनियादी सवालों के समाधान हेतु देश का निर्माण करने वाले मजदूर, किसान व कामकाजी महिलाएं हमारे संविधान के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मौजूदा नीतियों की जगह ज्यादा समतामूलक वैकल्पिक नीतियों की पैरवी करने के लिए देश की राजधानी में गुहार लगाने आए थे। वे स्वयं उपस्थित होकर खुद भुक्तभोगी के तौर पर सरकार द्वारा किए जा रहे विकास के कथित दावों को नकारने आए थे। किसान व ट्रेड यूनियन नेताओं ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह प्रतिवर्ष दो करोड़ रोजगार प्रदान करने उन वादों से विपरीत काम कर रही है जो चुनाव के समय जनता के समक्ष किये गए थे। नेताओं ने कहा कि मेहनतकश वर्गों पर तीन स्तरीय हमला हो रहा है। पहला आर्थिक यानी आजीविका पर, दूसरा जनतांत्रिक व ट्रेड यूनियन अधिकारों पर और तीसरा जनता के सामाजिक सद्भाव पर किया जा रहा है। उन्होंने यह आह्वान भी किया कि सभी वर्गों को संयुक्त रूप से इन हमलों को पछाड़ने के लिए भी तीन पक्षीय रणनीति ग्रहण करनी होगी। किसान व मजदूर सरकार को चुनौती देकर गए हैं कि इन जनविरोधी नीतियों को बदला जाए।

मुख्यमंत्री की पहल पर छत्तीसगढ़ के युवा किसान कर रहे हैं खेती में नवाचार

धान की खेती से हटकर किसान अपने खेतों में उगा रहे हैं दूसरी फसलें0-सरगुजा संभाग के प्रतापपुर में युवा किसान ने नवाचार कर शुरू की सेव की खेती0-00 से ज्यादा पौधे,1 साल में ही कई पौधों में फल आने हुए शुरूमनोज सिंहछत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है। कुछ समय पहले तक छत्तीसगढ़ के किसान धान की फसल के अलावा दूसरी फसलों के बारे में सोचते भी नहीं थे। लेकिन मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के द्वारा किसानों के लिए शुरू की गयी जनहितकारी योजनाओं के चलते किसान अब नवाचार कर रहे हैं। धान के बदले दूसरी फसलें लेने के लिए शासन द्वारा शुरू की गयी योजना का लाभ लेकर किसान छत्तीसगढ़ जैसे गर्म प्रदेश में सेव की खेती कर रहे हैं।सेव की खेती ठंडे प्रदेशों में हो सकती है,इस मिथ्या को तोडने़ की कोशिश प्रतापपुर के एक युवा कृषक ने की है। मुकेश गर्ग नाम के कृषक ने सूरजपुर जिले के प्रतापपुर जैसी गर्म जगह में अलग-अलग किस्म के सेव के सौ से ज्यादा पौधे लगाए हैं और कुछ में तो फल भी आने शुरू हो गए हैं।कुछ हफ्तों में ये पूरी तरह से तैयार होकर खाने लायक हो जायंगे। कहा जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में कहीं भी सेव की खेती हो सकती है और ये किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।आमतौर पर सेव का फल हिमाचल प्रदेश,जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड जैसे कम तापमान वाले राज्यों में होते हैं क्योंकि वहां का मौसम सेव की खेती के लिए अनुकूल है। छत्तीसगढ़ का मौसम गर्म है उन्हें सेव के अनुकूल नहीं माना जाता और इसकी खेती सपने जैसी है।लेकिन अब गर्म स्थानों में भी सेव की खेती हो सकती है।कृषि एवं उद्यानिकी विभाग से मिली फसल के रखरखाव की जानकारीमुकेश गर्ग से मिली जानकारी के अनुसार खेती से उनका जुड़ाव शुरू से है,वे हमेशा कुछ अलग करने का प्रयास करते हैं। इस बीच उन्हें जानकारी मिली कि हिमाचल प्रदेश में सेव की ऐसी किस्म विकसित हुई है जो गर्म प्रदेशों में भी उग सकते हैं । मुकेश ने इसके लिए कृषि एवं उद्यानिकी विभाग से सम्पर्क किया और प्रतापपुर में सेव की नई किस्म के पौधे लगाए। उन्होंने इनके रोपण और रखवाली को लेकर उनसे और तरीके समझे तथा पौधे ऑर्डर किये इनका रोपण कराया। एक वर्ष की अवधि में ये पौधे चार से छह फीट के हो चुके हैं,कई में फल भी आ चुके हैं।पौधों की रखवाली और रोपण में तरीकों को लेकर उन्होंने बताया कि इसका मुख्य समय नवम्बर से फरवरी के बीच होता है।इसके लिए उन्होंने पहले से ही दो बाय दो फीट गड्ढे तैयार करके रखे थे और गड्ढों को दीमक रोधी दवा(रीजेंट) से उपचारित किया गया था। गड्ढों में गोबर,मिट्टी और थोड़ा सा डीएपी डालकर पानी से भरकर रखे गए थे।इसका फायदा यह होता है कि गड्ढों को जितना बैठना होता है बैठ जाता है और पौधे लगने के बाद इनके रेशे टूटने का डर नहीं होता है। इसके बाद 1-2 दिन में पौधे रोपित कर दिए थे।इनके लिए ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं होती है केवल गर्मियों में दो से तीन दिन में पानी देना होता है। इस बात का ध्यान रखना होता है कि पौधों में बारिश के पानी का रुकाव नहीं हो क्योंकि जड़ों के सडने का डर होता है।सेव की इस किस्म के लिए 50 डिग्री तक का तापमान है अनुकूलमुकेश गर्ग बताते हैं कि आमतौर पर सेव की फसल ठंडे प्रदेशों में होती है लेकिन सेव की फसल हरमन 99' के लिए अधिकतम 50 डिग्री तक का तापमान अनुकूल है।

हरमन के साथ अन्ना' और डोरसेट' किस्म भी यहां के तापमान के अनुकूल है।

बढ़ती जनसंख्या की पहल क्यों ?

अजय दीक्षितहिन्दू संगठन आजकल देशभर में शोर से चल रहे हैं कि तीन से चार बच्चे पैदा करो। दो अपने पास रखो दो देश के लिए दो। यह बात समझ से परे होती जा रही है कि दो देश के लिए ही सिर्फ है क्यों जबकि वह दो किसके लिए? क्या पूंजीपतियों के लिए या सिर्फ माता-पिता के लिए? जापान एक ऐसा देश जहां के लोग जो भी काम करते हैं वह यह सोचकर करते हैं कि हम अपने राष्ट्र को समर्पित कर रहे हैं। हमारे काम राष्ट्र के विकास और समृद्धि के लिए है। तो भारत जैसा देश जो कि अपने आप को विश्व गुरु कहलवाता है आज अपनी मर्यादा ही तोड़ रहा है यह कह कर कि चार बच्चे पैदा करो । विश्व में भारत जनसंख्या की दृष्टि से लगभग नंबर एक होने वाला है ।अभी देश की जनसंख्या का रिकॉर्ड आम जनता को पता नहीं है कि वास्तव में देश की जनसंख्या कितनी है क्योंकि देश के प्रधानमंत्री सवा सौ करोड़ कहते हैं और देश के आंकड़े 140 या 142 करोड़ कहते हैं । जिस देश के 80 करोड़ जनसंख्या को खाने के लिए अनाज सरकार के द्वारा हर महीने 5 किलो दिया जा रहा है, जिस देश के युवा बेरोजगारी के कारण आत्महत्या कर रहे हैं, जिस देश के ज्यादातर उद्योगपति देश छोड़कर विदेश भाग रहे हो उस देश में यह कहा जा रहा है कि और अधिक जनसंख्या बढ़ाइये क्योंकि देश की जनसंख्या कम है । यह बात हजम नहीं होती इतनी कठिन स्थिति के बाद लोग कैसे कह सकते हैं कि देश की जनसंख्या बढ़ाओ । देश की बेटियां अगर इतनी ही मजबूत है तो सरकार के द्वारा क्यों विभिन्न प्रकार की योजनाएं चाहे लाडली लक्ष्मी योजना हो, आंगनबाड़ी में पोषण, अस्पतालों में डिलीवरी के बाद कई प्रकार की सुविधाएं क्यों दी जा रही हैं? क्या? 5000 में बच्चे का पालन पोषण हो सकेगा स्वस्थ रुप से महंगी होती शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं से क्या हम मजबूत भविष्य और शरीर बना सकेंगे या फिर पिछे ही पिछे पैदा करेंगे जो अति कुपोषित और कई बीमारियों से ग्रसित अफ्रीका के लोगों की तरह ही होंगे। देश में पहले से ही खाद्यान्न संकट है लोगों को पेट भर दो वक्त की रोटी नसीब नहीं है। उन लोगों से 4 बच्चे पैदा करने की उम्मीद या मजबूर किया जा रहा है सिर्फ और सिर्फ इंसानियत के नाम पर एक बदजुबानी ही की जा रही है। महिलाओं से बच्चे उत्पन्न करने के लिए तो कहा जा रहा है लेकिन बलात्कार और दहेज के नाम पर ना जाने कितनी महिलाओं, बेटियों को रोज लूटा जा रहा है, मारा जा रहा है।

जहां स्वार्थ समाप्त होता है मानवता वहीं से प्रारम्भ होती है: पूज्य चिन्मयानंद बापू

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार-नगर के उपाध्याय गार्डन में अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया द्वारा आयोजित भागवत ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस पूज्य कथा बाचक अंतरराष्ट्रीय संत चिन्मयानंद बापू ने कहा कि मानव योनि में जन्म लेने मात्र से जीव को मानवता प्राप्त नहीं होती यदि मनुष्य योनि में जन्म लेने के बाद भी उसमें स्वार्थ की भावना भरी हुई है, तो वह मानव होते हुए भी राक्षसी वृत्ति की पायदान पर खड़ा रहता है यदि व्यक्ति स्वार्थ की भावना को त्याग कर हमेशा परमार्थ भाव से जीवन यापन करे तो निश्चित रूप से वह एक अच्छा इन्सान है, यानी सुदृढ मानवता की श्रेणी में खड़ा होकर पर सेवा कार्य में रत है क्योंकि परमार्थ की भावना ही व्यक्ति को महान बनाती है परमात्मा श्री कृष्ण की लीलाओं में पूतना चरित्र पर व्याख्यान देते हुए परम श्रद्धेय आचार्य पूज्य बापू जी महाराज ने कहा कि कंस स्वयं को सब कुछ समझ लिया हमसे बड़ा कोई न हो जो हमसे बड़ा बनना चाहे या हमारा विरोधी हो उसको मार दिया जाय। ऐसा निश्चय कर ब्रज क्षेत्र में जितने बालक पैदा हुए हो उनको मार डालो, और इसके लिये पूतना राक्षसी को भेजा तो प्रभु श्री बालकृष्ण भगवान ने पूतना को मोक्ष प्रदान किया ही इधर कंस प्रतापी राजा उग्रसेन का पुत्र होते भी स्वार्थ लोलुपता अधिकाधिक होने के कारण राक्षसो की श्रेणी में आ गया और भगवान श्री कृष्ण ने उसका संहार किया माखन चोरी लीला प्रसंग पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आचार्य श्री ने कहा कि दूध, दही, माखन को खा-खाकर कंस के अनुचर बलवान होकर अधर्म को बढावा दे रहे थे, इसलिये प्रभु ने दूध, दही, माखन को

नगर के उपाध्याय गार्डन में पूज्य महाराज ने सुनाई भगवान के बाल चरित्र की कथा

मथुरा कंस के अनुचरों के पास जाने से रोका और छोटे-छोटे ग्वाल-बालों को खिलाया जिससे वे ग्वाल-बाल बलवान बनें और अधर्मी कंस के अनुचरों को परास्त कर सकें भगवान श्री कृष्ण ग्वाल-बालो से इतना प्रेम करते थे कि उनके साथ बैठकर भोजन करते-करते उनका जूठन तक मांग लेते थे आचार्य श्री ने कहा कि हम जीवन में वस्तुओं से प्रेम करते है और मनुष्यों का उपयोग करते है ठीक तो यह है कि हम वस्तुओं का उपयोग करें और मनुष्यों से प्रेम करें। इसलिये हमेशा से प्रेम की भाषा बोलिये जिसे बहरे भी सुन सकते हैं और गूंगे भी समझ सकते है प्रभु की माखन चोरी लीला हमें यही शिक्षा प्रदान करती है विशेष महोत्सव के रूप मे आज श्री गिरिराज पूजन(छप्पन भोग महोत्सव) विशेष धूम-धाम से मनाया गया जिसमे कथा पारीक्षत श्रीमति अरुणा नरेश चन्द्र शर्मा ने भक्तजनों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में अमृतपान कर एवम रामराजा दरवार के दिव्य दर्शन प्राप्त कर अपने जीवन को धन्य बनायें ।

ये रहे आरती में मौजूद-आज भागवत ज्ञान यज्ञ में गणेश जी मिश्रा राष्ट्रीय सह संघठन मंत्री,लाल सिंह आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित जाति भारतीय जनता पार्टी, राकेश चौधरी पूर्व मंत्री,लोकेंद्र पाराशर प्रदेश मीडिया प्रभारी भाजपा,सतीश जी पाल पूर्व मंत्री,श्री रामदास जी महाराज दंदरौआ सरकार, राजेश कटारे महंत मैया रतनगढ़ बाली, सिद्दन महाराज महंत खड़ेश्वरी मन्दिर उरई,महेश चौधरी पूर्व कमिश्नर, सज्जन सिंह यादव नगर पालिका अध्यक्ष मौ,राघवेंद्र जी त्रिपाठी,महेश जी महाते,बिकाश जी चौधरी,अबधेश सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष, राजेन्द्र शर्मा राजे पूर्व जिलाध्यक्ष,सरोज जी जोशी,ओम दुबे कानपुर,अनुभव चक पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कानपुर,अनिल शर्मा ब्यूरो स्वदेश भिंड,गोबिंद नागिल नगर पालिका अध्यक्ष सेबड़ा,मुन्नी गतवार पूर्व जिलाध्यक्ष, बालेंदु जी चौहान खण्ड विस्तारक,नजीद सिंह पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष,सोनू गतवार,सीमा शर्मा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य,राजेश शर्मा जी,रवि सेन जैन,अमर सिंह भदौरिया, रामकुमार त्रिपाठी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आलमपुर,कल्याण सिंह जी कौरव अध्यक्ष जनभागीदारी समिति आलमपुर आदि एक सैकड़ा धर्म प्रेमी बंधु प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।

रेलवे अमृत काल में ग्वालियर-भिण्ड-इटावा मेमू ट्रेन की मिली सौगात

रेलवे फाटक अटेर रोड ओवर ब्रिज की मिली स्वीकृति, सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी,एवं केंद्रीय रेल मंत्री के अवनीश वैष्णव के प्रति जताया आभार

पंकज त्रिपाठी
पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भिंड से प्रारंभ हुई संत रविदास जयंती से विकास यात्रा की शुरुआत करते हुए जनता की मांग को पूर्ण करते हुए भिंड नगर पालिका को नगर निगम बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। नगरीय निकाय मंत्रालय को पत्र द्वारा सूचित किया गया है। नगर निगम बनाने के लिए सांसद श्रीमती संध्या राय ने भिंड सर्किट हाउस पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया की लोकसभा सदन में केंद्र सरकार को लोकसभा सदन में विकास कार्यों के लिए अवगत कराया था कई बार मैंने भिंड में नगर निगम, मेडिकल कॉलेज एवं सैनिक विद्यालय तथा भिंड रेलवे स्टेशन ओवर ब्रिज को लेकर प्रस्ताव रखा जिस पर भारत सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय रेल मंत्री ने अवनीश वैष्णव मेरे मांगों को संज्ञान में लेते हुए स्वीकृत कर भिंड को आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया मैं उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करती हूं। पत्रकार वार्ता में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष केशव सिंह भदौरिया,प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य अवधेश सिंह कुशवा एडवोकेट, मप्र राज्य महिला आयोग की पूर्व

अध्यक्ष श्रीमती कृष्णकांता तोमर, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती आभा जैन, सुभाष मंडल अध्यक्ष प्रदीप सिंह भदौरिया टीपू, किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य रक्षपाल सिंह राजावत, विशेष रूप से मौजूद थे। सांसद श्रीमती राय ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जनता की लंबे समय से यह मांग चली आ रही थी जिसे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घोषणा को अमल में रखते हुए विभागीय अधिकारियों को कार्रवाई के लिए तत्काल निर्देशित किया गया है।अपर सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी पत्र में निर्देशित किया गया है कि राज्य की प्रशासनिक इकाइयों की सीमा के निर्धारण की तिथि 31 दिसंबर 2022 से बढ़ाकर 31 जून 2023 तक बढ़ा दिया गया है। समय सीमा में ध्यान में रखते हुए नवीन दिशा निर्देश के अनुसार अभिमत सहित प्रस्ताव 15 दिवस की समय सीमा में उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए हैं , नगर पालिका में 39 वार्ड है, जिसे बढ़ाकर ग्राम पंचायतों को जोड़कर नगर निगम में शामिल होने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है, ताकि भिंड का विकास आगे बढ़ाया जा सकेगा। भाजपा के युवा विधायक भिण्ड संजीव सिंह कुशवाह संजू के सतत प्रयास एवं मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप भिण्ड को नगर पालिका से नगर निगम बनाये जाने सम्बंधित शासन द्वारा कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है ।सर्वांगीण विकास की श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण उपलब्धियां एवं योजनाओं के साथ नगर निगम बनने से आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा।सांसद श्रीमती राय ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि अथक प्रयासों से भिंड जिले में एनएच 552 एक्सटेंशन पर एटर रीअलाईनमेंट और भिंड बायपास के 2 - लेन पेब्ड सोल्डर शोलडर शहीद निर्माण को ईपीसी मोड 2022 - 23 की वार्षिक योजना के तहत 348.06 करोड़ रुपए की लागत के साथ स्वीकृत की गई है। उपरोक्त निर्णय कि मेरी अध्यक्षता में समन्वय एवं मूल्यांकन समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को लेकर दिशा निर्देशित किया गया था। सांसद श्रीमती राय ने केंद्रीय परिवहन मंत्री भारत सरकार नितिन गडकरी को पत्र लिखकर इस कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

उन्होंने पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि मेरे साथ रेलवे विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने कुछ समय पूर्व ओवर ब्रिज के लिए निरीक्षण किया था, जनता की मांग काफी समय से चली आ रही थी जिसके लिए केंद्रीय रेल मंत्रालय ने भिंड रेलवे स्टेशन फाटक ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य के लिए अपनी स्वीकृति दे दी है, जिसका जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जायेगा। ताकि आवागमन में जनता को कोई कठिनाइयां ना हो। उन्होंने कहा की मैंने केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र द्वारा विशेष ट्रेन के लिए अवगत कराया था जिस में उन्होंने ग्वालियर - भिंड - इटावा मेमू ट्रेन की स्वीकृति भी मिल गई है और शीघ्र ही यह गाड़ी का स्टॉप भिंड, सोनी, मेहगांव गोहद, पर किया जाएगा

विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्येक बूथ को जिताने का संकल्प लें: सुधीर गुप्ता

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भाजपा के राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष एवं ग्वालियर चंबल संभाग प्रभारी नीमच सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि हम सब भारतीय जनता पार्टी विचार के लिए परिवार भाव का संकल्प लेकर काम करते हैं आज संगठन ही हमारे लिए सर्वव्यापी है। पार्टी ने राष्ट्र के विकास के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय की एका जो माधव के मूल्य दर्शन को आगे बढ़ाकर निष्ठावान कार्यकर्ताओं की संखला को वटवृक्ष की तरह पृथ्वी पर खड़ा कर लिया है आज हम दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आए हैं और जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 22 राज्यों में हमारी सरकार के मुख्यमंत्री कर रहे हैं। यह बात उन्होंने पार्टी जिला कार्यालय पीडब्ल्यूडी कॉलोनी पर पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कांग्रेस हमेशा गरीबी हटाओ का नारा देती रही लेकिन गरीबी है कि नहीं आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय विचारधारा एवं गरीब कल्याणकारी योजनाओं के साथ भारत गरीबी से मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि कि मिशन 2023 विधानसभा चुनाव एवं मिशन 2024 लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ता एक लक्ष्य एक संकल्प एकजुट होकर देश और प्रदेश को आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए समाज को जागृत कर योजनाओं को उनके घर तक पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की चौथी पारी के 3 वर्ष समृद्ध, आत्मनिर्भर और स्वर्णिम भारत निर्माण के लिए संकल्प की सिद्धि के लिए कोरोना से जंग लड़ते हुए प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने का निश्चित किया है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से परिचय प्राप्त किया।इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष सांसद श्रीमती संध्या राय, पूर्व सांसद डॉ भागीरथ प्रसाद कार्यकारिणी के सदस्य जिला संगठन प्रभारी जय प्रकाश राजौरिया, जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया विधायक संजीव सिंह कुशवाह संजू, पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डॉ रमेश दुबे, प्रदेश कार्यकारिणी की सदस्य कृष्णकांता तोमर, पंचायत अध्यक्ष कामना सिंह भदौरिया, मंचासीन थे।भाजपा राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष ग्वालियर चंबल संभाग प्रभारी नीमच सांसद सुधीर गुप्ता ने पार्टी के जिला पदाधिकारियों के साथ अनुसूचित जाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष निलेश खटीक वार्ड क्रमांक 10 बूथ क्र. 89 पर पहुंचकर भोजन किया और सामाजिक संस्था का संदेश दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय आज आएंगे लहार, भागवत ज्ञान यज्ञ में करेंगे शिरकत

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

लहार। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय आज 13 अप्रैल को भिण्ड जिले के लहार पहुंचेंगे आपको बता दें कि प्राप्त जानकारी के अनुसार वह बुंदेलखंड एक्सप्रेस से प्रयागराज से होकर ग्वालियर आयेंगे।वह ग्वालियर आकर मुरार उच्च विश्रांति गृह में कुछ देर रूककर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद लहार में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया द्वारा आयोजित भागवत ज्ञान यज्ञ में शिरकत करेंगे।आपको बता दें कि इस भागवत ज्ञान यज्ञ में श्रोताओं को कथा का रसपान परम् पूज्य चिन्मयानंद बापू जी द्वारा कराया जा रहा है।

राहुल सपा नगर अध्यक्ष मनोनीत

पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आदेशानुसार प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय रामायण सिंह पटेल अनुमति से भिण्ड जिलाध्यक्ष नीरज यादव ने राहुल यादव बंगला थोक अकोड़ा को समाजवादी पार्टी का नगर अध्यक्ष अकोड़ा मनोनीत किया राहुल यादव ने अपने मनोयन पर कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसको पूरी निष्ठा से निभाउंगा राहुल यादव को नगर अध्यक्ष बनने की बधाई देने वाले लोगों में जिला महासचिव अशोक डंडोतिया जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र गुर्जर, दीपक यादव, राधामोहन सिंह, सूरज बघेल, विकास यादव, सहदेव नरवरिया, सतेन्द्र सिंह, मानवेंद्र सिंह।

जनचौपाल में मिले 70 आवेदन कलेक्टर मलिक ने ग्रामीण एवं शहरी लोगों की समस्याएं सुनी

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। जिला कार्यालय गरियाबंद में प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को आयोजित होने वाले जनचौपाल में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आये 70 लोगों ने अपनी समस्याओं संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर

प्रभात मलिक ने सभी लोगों की समस्याएं को बारी-बारी से सुना और मौके पर उपस्थित संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार आवेदकों के समस्याओं को यथाशीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर मलिक को जनचौपाल में ग्राम बेंदकुरा के पुनारद राम ध्रुव ने राशन कार्ड बनवाने, ग्राम कोड़ोहरदी के फलेन्द्र कुमार ने खाद एवं मिट्टी परिवहन का भुगतान दिलाने, ग्राम कोपरा की गिरजा साहू एवं ग्राम मुड़ागांव की सोभद्रा बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित करने का आवेदन सौंपा। इसी तरह ग्राम बेगरपाला के अर्जुन सिंह पांडे ने बकरी पालन के लिए लोन दिलाने, ग्राम बकली निवासी रेवाराम खुंटे ने असंगठित श्रम कार्ड बनाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये है। इसके अलावा ग्राम कोपरा के प्रेमलाल साहू ने राहत राशि प्रदान करने, ग्राम अतरमरा के जगत राम सिन्हा ने प्रधानमंत्री सम्मान निधि की राशि दिलाने, ग्राम कोपरा की सुमित्रा निषाद ने विद्युत कनेक्शन लगाने, गरियाबंद के नवल किशोर ने नल कनेक्शन प्रदान करने, ग्राम बोड़की के ओंकार साहू, खिलेश कुमार ने दिव्यांग पेंशन योजना के तहत लाभान्वित करने के संबंध में आवेदन सौंपा। इसी तरह ग्राम पोंड निवासी बलराम भाण्डेकर ने जनचौपाल में बताया कि उनकी पत्नी मितानिन के पद पर कार्यरत थी, और उनकी मृत्यु हो गई है। इस पर उन्होंने अपनी पुत्री को मितानिन पद में नियुक्ति दिलाने का अनुरोध किया। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रीता यादव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

शहीद स्मरण सभा, शौर्य सम्मान में शामिल होंगे आचार्य प्रमोद कृष्णम

देश के शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजन होंगे सम्मानित, निकाला जाएगा सदभावना मार्च

सीहोर। गुरुवार को जलियावाला बाग बलिदान दिवस के अवसर पर देश के प्रमुख शहीदों क्रांतिकारियों सेनानियों के परिजनों का सम्मान समारोह टाउन हाल में सुबह 11.30 बजे से प्रारम्भ होगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम, समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर, पूर्व सांसद सज्जन सिंह वर्मा, गांधी भवन न्यास के सचिव दयाराम नामदेव, सेवानिवृत्त वाइस चीफ मिलिंद नायडू , पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिलीप राजपाल, कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष बलवीर सिंह तोमर मौजूद रहेंगे ।

सुबह 8.30 बजे सैकड़ा खेड़ी रोड स्थित शहीद स्मारक और शहीद कुं. चैन सिंह की छतरी पर दीप प्रज्वलन कर शहीद स्थल से मिट्टी एकत्र कर टाउन हाल में मिट्टी से पौधरोपण किया जायेगा।

सदभावना मार्च में कलश लिए बालिकाएं आगे चलेंगी। इसके पश्चात सुबह 9.30 बजे से तहसील चौराहा स्थित गांधी पार्क से सदभावना मार्च शुरु होगा। मुख्य मार्ग से यह मार्च कोतवाली चौराहा,आष्टा रोड, बस स्टैंड से टाउन हाल पहुंचेगा। टाउन हाल में कार्यक्रम के प्रथम सत्र में राष्ट्रवाद एवं कौमी एकता के संदर्भ में स्वाधीनता आन्दोलन की भूमिका विषय आधारित शहीद स्मरण सभा में मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य प्रमोद कृष्णम का उदबोधन होगा। दूसरे सत्र में नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय सीतलानी करेंगे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तरा धिकारी संगठन के जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में अमर शहीद हिम्मत खां, बहादुर खां के वंशज जेड ए लोधी इन्दौर, शहीद रणमल सिंह सतना के वंशज कृष्णेन्द्र सिंह, शहीद शहादत खां के वंशज खालिद खिलजी इन्दौर, शहीद लालछत्र धारी सतना के वंशज अनिल सिंह परिहार, शहीद नबाब अली बांदा के वंशज आफाक अली बहादुर सीहोर, शहीद ग्राम पिंडरा के वशंज अरुण सिंह तथा साहित्यकार आकाश माथुर का सम्मान किया जाएगा। इस मौके पर स्वराज संस्थान द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। संगठन के जिला अध्यक्ष संतोष सिंह, प्रदेश महासचिव अशोक सिंधु ने सेनानी परिवार के सदस्यों प्रबुद्ध नागरिकों से आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

केकेआर में चक दे इंडिया के कबीर खान जैसा कोच

चंदू सर बोले- खुद पर यकीन हो तो चमत्कार होते हैं, रिंकू ने ये साबित किया

कोलकाता। पांच गेंद पर 28 रन की जरूरत और बल्लेबाज रिंकू लगातार पांच छक्के जमा देता है। रिंकू लगातार दूसरे मैच में टीम को जीत दिलाने में अहम साबित हुए। इससे पिछले मैच में उन्होंने मुकाबले को सिरे से पलट देने वाले शार्दूल ठाकुर के साथ बेहतरीन पार्टनरशिप की थी। यानी हम देख रहे हैं कि कोलकाता की टीम लगभग हर मैच में एक नया हीरो सामने ला रही है। हर खिलाड़ी अपने नाम या काम की शोहरत के हिसाब नहीं बल्कि सिचुएशन के मुताबिक खेल रहा है और कामयाब हो रहा है। तभी कोलकाता इस ढ्ढक्क में के अंक तालिका में तीसरे पायदान पर पहुंच गई है। जबकि 4 पॉइंट के साथ राजस्थान रॉयल्स दूसरे नंबर पर है। उसका रनरेट च्यक्र से बेहतर है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स 4 मैचों के बाद 6 पॉइंट के साथ पहले नंबर पर काबिज है। जवाब यह है जनाब कि पिछले 8 साल से खिताब का सूखा झेल रही शाहरुख खान की टीम को कबीर खान जैसा कोच मिल गया है। वही कबीर खान...चक दे इंडिया वाला.... ढ्ढक्क में उसका रियल लाइफ नाम चंद्रकांत पंडित है। पंडित की टीम ने पिछली भिड़ंत में डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस के छक्के छुड़ाए हैं। आखिरी पांच गेंद पर पांच छक्के मारकर हराना तो छक्के छुड़ाना ही कहा जाएगा न। गुजरात 325 दिन और 4 मैचों के बाद हारी है। इस

स्टोरी में जानेंगे कि खिलाड़ियों के बीच चंदू सर के उपनाम से मशहूर चंद्रकांत पंडित ने कैसे कोलकाता को लूजर से विनर बनाया गुजरात ने आखिरी ओवर्स में अच्छी बैटिंग की। फिर हमें भी मौका मिला। अय्यर-राणा ने मैच का रुख हमारे पक्ष में कर दिया। उसके बाद 4 विकेट गिरने के बाद बना हुआ मैच हमसे दूर जा रहा था जब राशिद खान ने हैट्रिक ली। वहां राशिद ने मैच हमारे पक्ष से खींचकर लगभग गुजरात के पाले में डाल दिया। फिर रिंकू ने बाजी पलट दी। उसने कर दिखाया। मुझे लगता है कि यह ऐसा हिस्टोरिकल मैच हुआ है जिसे लोग भूल नहीं सकेंगे। रिंकू ने साबित किया कि अगर जमकर मेहनत की गई हो, प्लानिंग अच्छी हो और खुद पर यकीन रहे तो गेम में चमत्कार होते हैं। हमारी सोच रहती है कि नेवर गिवअप। रिंकू ने उसे साकार किया। पंडित की कहानी बॉलीवुड फिल्म %चेक दे इंडिया% से मिलती-जुलती है, फिल्म में जैसे पूर्व हॉकी खिलाड़ी कबीर खान (शाहरुख खान) ने कमजोर भारतीय महिला हॉकी टीम को वर्ल्ड हॉकी चैंपियनशिप जिता दी थी, वैसे ही चंद्रकांत पंडित ने पिछले सीजन में कमजोर प्रदर्शन करने वाली च्यक्र को सीजन की सबसे एक्साइटिंग टीम में से एक बना दिया है। 2022 में सातवें नंबर पर रहने वाली टीम अब क्रिकेट एक्सपर्ट्स को टाइटल फेवरेज नजर आने लगी है। पिछले सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम इस्तीफा देकर इंग्लैंड में बैजबॉल चलाने चले गए। वे इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कोच बन गए। महज 8 महीने पहले चंद्रकांत को कोचिंग का जिम्मा मिला। उन्होंने मध्यप्रदेश को रणजी चैंपियन बनाया था। तब उनकी कोचिंग के चर्चे खूब मशहूर हुए थे। उन्होंने स्क्क की युवा टीम को चैंपियन में कन्वर्ट किया था। च्यक्र का मैनेजमेंट उनसे ऐसी ही मैजिक की उम्मीद कर रहा था। पंडित टीम को शेप में ला ही रहे थे कि रेगुलर कैप्टन श्रेयस अय्यर चोटिल हो गए। लीग शुरू में दो महीने से भी कम का वक्त था और टीम को नए कप्तान की तलाश थी। लोगों को लगा कि सुनील नरेन या आंद्रे रसेल जैसे किसी अनुभवी चेहरे को कप्तान बनाया जाएगा, लेकिन पंडित ने नीतीश राणा को लीडर चुना।

बडोनी का सिक्स वाला हिट-विकेट

15 बॉल में पूरन की फिफ्टी; डु प्लेसिस ने इस सीजन का सबसे लंबा छक्का लगाया, 115 मीटर दूर छत पर गिरी गेंद

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) में सोमवार के रोमांचक मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 1 विकेट से हरा दिया। पहली पारी में फाफ डु प्लेसिस, विराट कोहली और ग्लेन मैक्सवेल ने फिफ्टी लगाई। दूसरी पारी में मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन की पारियों के दम पर स्स्त्र ने मुकाबला जीत लिया। बेंगलुरु के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने इस सीजन का सबसे लंबा छक्का लगाया। गेंद 115 मीटर दूर छत पर जा गिरी। निकोलस पूरन ने 15 बॉल में

फिफ्टी लगाई और 19वें ओवर में छक्का लगाकर आयुष बडोनी हिट विकेट हो गए। वहीं, हर्षल पटेल नॉन स्ट्राइकर को रन आउट नहीं कर मैच जीतने का मौका गंवा बैठे। पहली पारी में 15वें ओवर की चौथी बॉल रवि बिश्नोई ने शॉर्ट पिच फेंकी। फाफ डु प्लेसिस ने बैकफुट पर मिड विकेट की ओर बड़ा शॉट खेला। बॉल स्टेडियम से बाहर ही चली गई। रीप्ले में नजर आया कि यह छक्का 115 मीटर लंबा था, जो इस सीजन का सबसे लंबा छक्का है। पहली पारी में 16 ओवर खत्म होने के बाद लखनऊ ने इम्पैक्ट प्लेयर रूल का यूज किया। टीम ने बॉलर अमित मिश्रा की जगह बैटर आयुष बडोनी को शामिल किया। हालांकि नियमानुसार 14वें ओवर से पहले इंपैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल कर सकते हैं या इससे पहले इसकी जानकारी दे सकते हैं। पहली पारी में 212 रन का विशाल टारगेट बोर्ड पर लगाने के बाद बेंगलुरु को मोहम्मद सिराज ने अच्छी शुरुआत दिलाई। उन्होंने पहले ही ओवर में तीसरी गेंद इन स्विंग शॉर्ट ऑफ लेंथ फेंकी। काइल मेयर्स बैकफुट पंच करने गए, लेकिन बॉल उनके बैट से लग कर स्टंप्स में चली गई। मेयर्स ने पिछले 3 मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन बेंगलुरु के खिलाफ शून्य पर बोल्ड हो गए। ऋ्रष्टक के पूर्व कप्तान विराट कोहली की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा बेंगलुरु-लखनऊ का मैच देखने चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंची।

बेंगलुरु रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार गई। अनुष्का अक्सर टीम इंडिया के मैच देखने के लिए भी स्टेडियम में पहुंचती हैं। 213 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी लखनऊ ने एक वक्त तक 105 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे।

आखिरी बॉल पर एक विकेट से जीता लखनऊ

पूरन-स्टोइनिस की विस्फोटक पारियों ने बेंगलुरु के हाथ से छीनी जीत

बेंगलुरु। निकोलस पूरन के सीजन के सबसे तेज अर्धशतक और मार्कस स्टोइनिस की विस्फोटक पारी के दम पर लखनऊ सुपरजायंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग-16 का सबसे रोमांचक मुकाबला जीत लिया। टीम ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को एक विकेट से हराया। इस मैच की खासियत यह रही कि आखिरी बॉल तक किसी को पता नहीं था कि कौन जीत रहा है। मैच का आखिरी ओवर नाटकीय रहा। इसमें लखनऊ को 5 रनों की जरूरत थी, लेकिन हर्षल पटेल की गेंदबाजी ने सुपरजायंट्स के

बल्लेबाजों को आखिरी बॉल तक बांधे रखा। 213 रन का टारगेट चेज करने उतरी लखनऊ की ओर से विकेटकीपर निकलोस पूरन ने 15 बॉल में सीजन की फास्टेस्ट फिफ्टी जमाई। उनसे पहले मार्कस स्टोइनिस ने 30 बॉल में 65 रन की विस्फोटक पारी खेली। टीम ने 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर 9 विकेट खोकर पर टारगेट हासिल कर लिया। इससे पहले, बेंगलुरु के बल्लेबाजों ने भी विस्फोटक बैटिंग की। विराट कोहली के 61 रन बनाने के बाद फाफ डु प्लेसिस ने 79 और ग्लेन मैक्सवेल ने 59 रनों की तेज पारी खेली। तीनों अपनी टीम का स्कोर 20 ओवर में 212 रन तक ले गए।

रोमांचक मुकाबले में सुपरजायंट्स की जीत

बेंगलुरु। लखनऊ सुपरजायंट्स ने मार्कस स्टॉयनिस (30 गेंद, 65 रन) और निकोलस पूरन (19 गेंद, 62 रन) की बेबाक बल्लेबाजी की बदौलत सांस रोक देने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को एक विकेट से मात दी। आरसीबी ने शीर्ष क्रम के प्रहार की मदद से सुपरजायंट्स के सामने 213 रन का लक्ष्य रखा, जिसे सुपरजायंट्स ने आखिरी गेंद पर हासिल कर लिया। मेज़बान टीम को विराट कोहली (44 गेंद, 61) रन ने मज़बूत शुरुआत दी, जबकि फाफ डु प्लेसिस (46 गेंद, 79 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (29 गेंद, 59 रन) ने दूसरे विकेट के लिये 115 रन की विस्फोटक साझेदारी करके टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। स्टॉयनिस और पूरन की पारियों ने हालांकि इस स्कोर को बौना साबित कर दिया। दोनों बल्लेबाज क्रमशः 200 और 300 से ज्यादा के

स्ट्राइक रेट से अर्द्धशतक जडने के बाद आउट हो गये, जिसके बाद सुपरजायंट्स को आखिरी ओवर में पांच रन चाहिये थे। हर्षल पटेल ने इस ओवर की पांच गेंदों पर दो बल्लेबाजों को आउट करने के साथ सिर्फ चार रन दिये। सुपरजायंट्स को आखिरी गेंद पर एक रन की जरूरत थी। आवेश खान इस गेंद को बल्ले से नहीं मार सके, लेकिन विकेट के पीछे दिनेश कार्तिक की गलती का फायदा उठाते हुए उन्होंने एक रन लेकर सुपरजायंट्स को जीत दिला दी। सुपरजायंट्स के सामने 213 रन का बड़ा लक्ष्य था और आरसीबी के लिये गेंदबाजी की शुरुआत करने आये मोहम्मद सिराज ने पहले ओवर में दर्शनीय स्विंग पर काइल मेयर्स को बोल्ड किया। वेन पार्नेल ने चौथे ओवर में दीपक हुड्डा (नौ) और वरुणाल पांड्या (शून्य) को पवेलियन लौटा दिया। दूसरे छोर से केएल राहुल को भी संघर्ष करना पड़ा और सुपरजायंट्स पावरप्ले में 37 रन ही जोड़ सकी।

सुपरजायंट्स को जब 13 ओवर में 170 रन चाहिये थे तब स्टॉयनिस ने जोखिम उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी शुरू की।

फुटबॉल दिल्ली : वायुसेना ने जीती ए-डिवीजन लीग

नयी दिल्ली। फुटबॉल दिल्ली के इतिहास में 10 अप्रैल 2023 का दिन शायद सालों साल याद किया जायेगा। ऐसा पहली बार हुआ जब ए-डिवीजन लीग के उपविजेता का फैसला नाक की लड़ाई बन गया था। अंतिम दो निर्णायक मुकाबले अलग-अलग मैच स्थलों पर एक ही समय में खेले गये, लेकिन अंबेडकर स्टेडियम पर अजमल की जीत और नेहरू स्टेडियम पर एमिटी नेशनल फुटबाल क्लब की हार ने सारे आरोप प्रत्यारोपों पर पूर्ण विराम लगा दिया। नेहरू स्टेडियम पर खेले गये रोमांचक मुकाबले में भारतीय वायुसेना ने एमिटी इंडियन नेशनल को 3-2 से हराकर लगातार पांचवीं जीत के साथ खिताब जीत लिया। मैन ऑफ द मैच और फुटबाल प्रेमियों का चहेता विवेक कुमार हमेशा की तरह वायु सेना की जीत का हीरो रहा। विवेक ने दो दर्शनीय गोल जमाये, जबकि एक गोल जिको सांगा ने किया।

रिंकू सिंह ने लगाई छक्कों की झड़ी, केकेआर ने 3 विकेट से गुजरात टाइटंस से छीनी जीत

अहमदाबाद 11 अप्रैल,। कमाल, बेमिसाल और लाजवाब..शब्द कम पड़ रहे हैं रिंकू सिंह की आतिशी बल्लेबाजी के लिए। रिंकू ने पारी के आखिरी ओवर में लगातार पांच छक्के ठोकते हुए कोलकाता नाईट राइडर्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में रविवार को तीन विकेट से रोमांचक जीत दिला दी। रिंकू सिंह ने मात्र 21 गेंदों में एक चौके और छह छक्कों की मदद से नाबाद 48 रन की मैच विजयी पारी खेली और गुजरात के हाथों से शर्तिया जीत छीन ली। क्रिकेट में क्या कुछ नहीं हो सकता है। क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है आज यह फिर से सबित हो चुका है। रिंकू सिंह की यह पारी सालों साल याद रखी जाएगी। राशिद ने एक तरफ जहां हैट्रिक लेकर मैच को कोलकाता से काफी दूर लेकर चले

गए थे, वहीं रिंकू ने अंतिम ओवर में ऐसा प्रहार किया जिसकी गूंज काफी सालों तक याद रहेगी। कोलकाता को जीत के लिए आखिरी ओवर में 29 रन की जरूरत थी। यह ओवर डालने की जिम्मेदारी यश दयाल को सौंपी गयी। उनकी पहली गेंद पर एक रन बना और स्ट्राइक पर रिंकू आ गए। उन्होंने अगली गेंद पर छक्का मारा और यह सिलसिला आखिरी गेंद तक चलता रहा। रिंकू ने जैसे ही अंतिम गेंद पर छक्का मारा टीम के सभी साथियों ने डग आउट से भागकर उन्हें गले लगा लिया। गुजरात ने फॉर्म में चल रहे बल्लेबाजों साई सुदर्शन (53) और विजय शंकर (नाबाद 63) के शानदार अर्धशतकों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 204 रन का मजबूत स्कोर बनाया लेकिन रिंकू की हैरतअंगेज बल्लेबाजी से कोलकाता ने सात विकेट पर 207 रन बनाकर तीन मैचों में अपनी दूसरी जीत हासिल की और चार अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। गुजरात को तीन मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा और वह चौथे स्थान पर है। वेंकटेश अय्यर ने 40 गेंदों में आठ चौकों और पांच छक्कों की मदद से 83 रन बनाकर कोलकाता की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। करामाती लेग स्पिनर और कार्यवाहक कप्तान राशिद खान ने शानदार हैट्रिक से गत चैंपियन गुजरात टाइटंस के लिए जीत की उम्मीद जगा दी थी । राशिद ने 17वें ओवर की पहली गेंद पर आंद्रे रसेल, दूसरी गेंद पर सुनील नारायण और तीसरी गेंद पर पिछले मैच के हीरो शार्दुल ठाकुर को आउट कर अपनी हैट्रिक पूरी की।

गिल तोड़ सकते हैं कोहली का 973 रन का रिकॉर्ड : शास्त्री

मुंबई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री का मानना है कि सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने का विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। कोहली ने आईपीएल 2016 में अविश्वसनीय प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों में 81.08 की औसत और 152.03 के स्ट्राइक रेट से 973 रन बनाये थे। आईपीएल 2022 में जॉस बटलर नायाब फॉर्म में रहे, लेकिन वह भी 17 मैचों में 57.53 की औसत से 863 रन ही बना सके। शास्त्री ने कहा, यह एक सलामी बल्लेबाज ही कर सकता है, क्योंकि तभी उसे रन बनाने के कई मौके मिलेंगे। मुझे लगता है कि शुभमन गिल ऐसा कर सकते हैं क्योंकि वह अच्छी फॉर्म में हैं और इसलिए भी क्योंकि वह शीर्ष क्रम में खेलते हैं। उन्हें रन बनाने के अच्छे मौके मिलेंगे। पिचें अच्छी हैं, इसलिए अगर वह दो या तीन पारियों में लगातार 80-100 रन बना सकता है, तो उस समय उसके पास पहले से ही 300-400 रन होंगे। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से रिकॉर्ड तोडना बहुत मुश्किल है, क्योंकि 900 से ज्यादा रन बहुत बड़ा होता है लेकिन एक बात यह है कि ओपनिंग बल्लेबाजों को दो अतिरिक्त मैच और दो अतिरिक्त पारियां मिलेंगी, इसलिये इस रिकॉर्ड को तोडना ओपनिंग बल्लेबाज के लिये ही संभव है। गिल के अलावा तिलक वर्मा और साई सुदर्शन दो अन्य युवा हैं जिन्होंने शास्त्री को प्रभावित किया है। शास्त्री का मानना है कि तिलक और सुदर्शन का भविष्य उज्ज्वल है और दोनों में अच्छा खिलाड़ी बनने की क्षमता है। उन्होंने कहा, तिलक वर्मा और सुदर्शन, एक 20 साल का है, दूसरा 21 साल का है। उन्हें देखने में बहुत मज़ा आया है।

खिताबी मुकाबले में भिड़ेंगे एचएआर हॉकी अकादमी

लखनऊ। खेलो इंडिया महिला हॉकी लीग (अंडर-21 अंतिम चरण) के फाइनल मुकाबले में एचएआर हॉकी अकादमी का सामना प्रीतम सिवाच स्पोर्ट्स फाउंडेशन हॉकी टीम से यहां पद्मश्री मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम पर होगा। इस टूर्नामेंट का आयोजन हॉकी इंडिया द्वारा खेल मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में सोमवार को खेले गये मुकाबलों में जहां प्रीतम सिवाच हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में स्पोर्ट्स हॉस्टल ओडिशा को पीछे छोड़ दिया, वहीं एचएआर अकादमी ने टाई-ब्रेकर में नाटकीय रूप से 5-4 के स्कोर से साई बाल हॉकी टीम को मात दी। दोनों टीमें अब मंगलवार दोपहर दो बजे से होने वाले फाइनल में आमने-सामने होंगी।

पंजाब किंग्स के कप्तान धवन को हुआ प्यार

कहा- पुरानी चीजों को भुलाकर फिर से आगे बढ़ना चाहता हूं, फैन ने पूछा शादी कब करोगे?

मुंबई। पंजाब किंग्स की कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे शिखर धवन ने कबूला कि उन्हें प्यार हो गया है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में गब्बर स्वीकार कर रहे हैं कि उनकी जिंदगी में प्यार की एंट्री हो चुकी है और अब वह एक कमिटेड रिश्ते में हैं। इतना ही नहीं वह यह भी कहते दिख रहे हैं कि वह इस रिश्ते से काफी खुश हैं। वह यह भी कह रहे हैं कि वह पुरानी चीजों को भुलाकर फिर से आगे बढ़ना चाहते हैं। ऐसे में यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि गब्बर में किसी लड़की से रिश्ते की बात कर रहे हैं। शिखर वीडियो बनाने वाले से यह भी कह दिख रहे हैं कि क्या तुम वीडियो बना रहे हो? वीडियो वायरल होने के बाद शिखर धवन का कोई बयान नहीं आया है। दरअसल शिखर की पहली पत्नी आयशा ने साल

2020 में अलग होने का ऐलान किया था और दोनों के बीच तलाक का केस अभी चल रहा है। शिखर ने हाल ही में एक टीवी चैनल पर दिए इंटरव्यू में आयाश मुखर्जी से तलाक पर पूछे गए सवाल पर कहा था कि शादी टूटने में गलती रही है। तलाक का मुद्दा अभी कोर्ट में है। शादी नहीं चल पाई इसमें फेल हुआ। पंजाब किंग्स ने शिखर धवन की कप्तानी में खेले अब तक 3 मैचों में से 2 मैच जीते हैं और एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि, वह 2 मैच जीतने के बाद अभी पॉइंट टेबल में छठे स्थान पर है। पंजाब के अलावा राजस्थान, चेन्नई, लखनऊ और कोलकाता भी दो-दो मैच जीते हैं। उनके भी दो-दो पॉइंट है। रनरेट की वजह से ये टीमें पॉइंट टेबल में पंजाब से आगे हैं। ढ्ढक्क के 16वें सीजन में अभी शिखर धवन रन बनाने में टॉप पर हैं। तीन मैचों में 225 की औसत से 225 रन बनाए हैं। 2 बार वह नॉटआउट रहे हैं। वहीं 2 हाफ सेंचुरी भी जड़ चुके हैं। दूसरे स्थान पर ऋ्तुराज गायकवाड हैं। उन्होंने 3 मैचों में 94.50 की औसत से 189 रन बनाए हैं। वहीं तीसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान फाफ डु प्लेसिस हैं।

बदलाव जो दें घर में ठंडक का अहसास

गर्मियों में यदि इंटीरियर की बात की जाये तो घर का इंटीरियर इस तरह का होना चाहिए जिसे देखकर आपको सुकून सा महसूस हो। ऐसा न हो कि भड़कीला, आंखों को चुभने वाला इंटीरियर आपको परेशान करने लगे। क्योंकि आपने देखा होगा कि समर्स में कुछ भी चीज लाइट या फिर हल्के रंगों वाली आपको शांतिदायक अहसास दिलाती है। तो क्यों न घर के इंटीरियर में कुछ ऐसी चीजें शामिल की जायें जिनसे घर को कूल लुक मिले। गर्मी के मौसम के अनुकूल रहे घर का अंदरूनी भाग, जानिये ऐसे उपाय -

लाइट कलर के पर्दे : अगर आपको लगता है कि आपने विंटर के हिसाब से थोड़े गहरे रंग के पर्दों को घर में जगह दे रखी है तो उनमें थोड़ा बदलाव लाएं। उनकी जगह हल्के रंग के या पेस्टल रंग के पर्दों को जगह दें। ये पर्दे कॉटन बेस्ड हैं तो और भी अच्छा रहेगा। साथ ही लाइट वेटेड फैब्रिक में हों तो यह तो बेहतरीन लगेगा क्योंकि इनसे घर में रोशनी और खुलेपन का अहसास रहेगा। गहरे रंग के परदे आपको गर्मियों में चुभते-से लगते हैं। इसके विपरीत हल्के रंग के पर्दे कूल-कूल अहसास देते हैं।

पेंट या वॉलपेपर : घर में पेंट करवाना आसान कार्य तो नहीं है लेकिन कुछ समय बाद जरूरी भी हो जाता है। ऐसे में यदि आपको पेंट करवाना है तो हल्के रंगों को दीवारों पर करवाएं क्योंकि लाइट कलर आपको ठंडक का अहसास देते हैं। आपको गर्मी भी नहीं लगती है। अगर घर की चार दीवारी पर हल्का रंग होगा तो आपको उर्जा भी मिलेगी और उदासी जैसा कुछ भी महसूस नहीं करेंगे। हल्के रंग में क्रीम तो बेस्ट ऑप्शन है, इससे घर खुला-खुला महसूस होता है। साथ ही आपको वॉलपेपर लगवाने हैं तो उन्हें भी आप ज्यादा भड़कीले नहीं लगवाएं, पेस्टल कलर्स को ही ध्यान में रखना चाहिये। हालांकि समर-2023 में नेवी ब्लू और गोल्डन रंग चलन में हैं।

सोफा और कुशन कवर : आपने देखा होगा कि लोग घरों में कई तरह के सोफों के कवर इस्तेमाल करते हैं। मैला होने से बचाने को, रंग संयोजन-संतुलन या रंगों में विविधता लाने को ये कवर सोफों के ऊपर डालते हैं। तो आप इनमे हल्के रंगों का इस्तेमाल करें। इस समर सीजन में यूं भी कलर कंट्रास्ट का ट्रेंड है। ऐसे में कुशन पर पाम या पाइनएप्पल प्रिंट फबेंगे। क्योंकि यदि आपके सोफे का कलर डार्क है तो उन पर लाइट कलर के सोफा कवर लगे हुए अच्छे लगेंगे। आपको उनको देखकर अच्छा महसूस होगा, साथ ही आपके अंदर पॉजीटिव फीलिंग आएगी। इसी तरह आप कुशन कवर खरीदते समय भी ध्यान रखें कि हल्के रंग के ही खरीदें। ये सोफे पर लगे हुए ताजगी का अहसास देंगे।

नैचुरल लाइटिंग : यदि आपको गर्मी में घर में सकारात्मकता चाहिए तो इसके लिए घर को लाइट से प्राकृतिक लुक दें। जिससे हल्की-हल्की रोशनी आपके अंदर सकारात्मकता को जन्म दे। घर के अंधेरे कोनों में घुसने की कोशिश न करें। प्रकाश की ऐसी व्यवस्था रखने से आपको घर में कूल अहसास होगा व डिप्रेशन भी महसूस नहीं होगा।

फूल और पौधे : घर में फूल और पौधों को जरूर जगह दें क्योंकि ये गर्मी में ठंडक का अहसास देते हैं। आपको गर्मी महसूस नहीं होगी। साथ ही ये एयर प्यूरीफायर का काम करते हैं। कुछ सुंदर हर्बल पौधों के गमले भी रख सकते हैं। जिससे घर में ताजा हवा आती है। यह भी ध्यान रखें कि घर के अंदर और बाहर दोनों जगह अलग-अलग किस्म के पौधे लगाए जाते हैं।

खाने में हो अगर फाइबर का खजाना

घर और ऑफिस के कार्यों में हम इतना अधिक व्यस्त होते हैं कि हमें सेहत के महत्व का ध्यान नहीं रहता है। लेकिन यदि जिंदगी में आगे बढ़ना है तो खान-पान पर भी ध्यान देना होगा, नहीं तो पता भी नहीं चलेगा कि हमें कब और क्या बीमारी लग गई। ऐसे में पेट को सही रखना सबसे महत्वपूर्ण है। इसके लिए जरूरी है कि अपने खान-पान पर पूरा ध्यान दिया जाए। हम अपनी खुराक में पर्याप्त मात्रा में रेशेदार खाद्य पदार्थ यानी फाइबर लें। पाचन तंत्र को दुरूस्त रखने के लिए फाइबर बेहद आवश्यक है। फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाने से हम कब्ज से बचे रहते हैं। पेट और आंतों की सफाई आसानी से हो जाती है। इससे हम पेट की बीमारियों से भी बच पाते हैं। फाइबर से शरीर को ऊर्जा की प्राप्ति होती है। फाइबर युक्त पदार्थों के सेवन से भूख कम लगती है, जिससे वजन भी कंट्रोल में रहता है। फाइबर दो तरह का होता है घुलनशील और अघुलनशील। यह फलों में भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। अक्सर लोग अपनी डाइट में सब्जी, अनाज, दालों, फलियों, बीजों को तो प्रतिदिन शामिल करते हैं, लेकिन फलों के सेवन को नजरअंदाज कर देते हैं। कई ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिनमें फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। सेब में फाइबर की मात्रा भरपूर होती है। साथ ही आयरन की भी बहुत मात्रा में पाया जाता है जिससे खून की कमी नहीं होती है। इसके सेवन से डायबिटीज, हार्ट डिजीज, अस्थमा जैसी बीमारियों से बचाव हो सकता है। सेब में एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन सी, ई, बीटा-कैरोटीन आदि पोषक तत्व होते हैं। सेब साबुत खाएं, इसका जूस पिएं या फिर फ्रूट सलाद के रूप में खाएं, हर तरह से पेट की समस्या से बचे रह सकते हैं। फ्लेक्स सीड्स में फाइबर की मात्रा 3.3 ग्राम प्रति टेबल स्पून होती है। फ्लेक्स के बीज में पोषक तत्वों की भी भरपूर मात्रा होती है। उनमें प्रोटीन, थायमिन, मैंगनीज, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम, तांबा, ओमेगा -3 फैटी एसिड और फाइबर होते हैं। ये कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं। केला भी एक ऐसा फल है जिसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है। साथ ही इसमें विटामिन सी, बी6, पोटेशियम आदि कई पोषक तत्व होते हैं। कच्चे केले में भी प्रतिरोधी स्टार्च की मात्रा होती है। यह एक प्रकार का इंडाइजेस्टेबल कार्बोहाइड्रेट है, जो फाइबर की तरह कार्य करता है। एक मध्यम साइज के केले में लगभग 3.1 ग्राम फाइबर होता है। अनार खाने से खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ती है, जिससे एनीमिया की समस्या नहीं होती है।

क्या आपको भी लग गई है स्मार्टफोन की लत? छुटकारा पाने के लिए अपनाएं ये तरीके

आज के समय में न सिर्फ युवा, बल्कि बच्चों को भी स्मार्टफोन की लत लग चुकी है। वह बार-बार फोन चेक करते हैं, फोन न मिलने पर बेचैन होने लगते हैं और कई बार तो बगैर फोन के एक घंटा भी चैन से नहीं रह पाते हैं। यह समझना जरूरी है कि स्मार्टफोन का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से स्वास्थ्य पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। चलिए इस लत से छुटकारा पाने के तरीके जानते हैं। स्मार्टफोन के इस्तेमाल को ट्रैक करेंअध्ययन के मुताबिक, कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राएं रोजाना कम से कम 8 से 10 घंटे स्मार्टफोन पर बिताते हैं। ऐसे में अगर आप इस लत को खत्म करना चाहते हैं तो अपने स्मार्टफोन के इस्तेमाल को ट्रैक करें। इसका मतलब है कि आप प्रति घंटे कितनी बार अपना फोन चेक करते हैं, इस पर निगरानी रखें। इसके लिए आप चाहें तो क्वालिटीटाइम और चेकी जैसे स्मार्टफोन उपयोग ट्रैकर ऐप्स भी डाउनलोड कर सकते हैं। अन्य गतिविधियों में व्यस्त रहने की कोशिश करेंअक्सर स्मार्टफोन पर सोशल मीडिया स्क्रॉल करने से मूड अच्छा हो जाता है, जिससे लोग बार-बार इसका इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित होते हैं। हालांकि, बेहतर महसूस करने के लिए अपने स्मार्टफोन पर अधिक निर्भर रहने की बजाय व्यायाम, डांस, खेल, लेखन या पेंटिंग जैसी रचनात्मक चीजें करें। इससे आप नया कौशल सीखने के साथ-साथ अपना मूड भी बेहतर कर सकेंगे। एक शेड्यूल सेट करेंस्मार्टफोन की लत से छुटकारा पाने के लिए आप अपने फोन पर अलार्म सेट कर सकते हैं। यह अलार्म आपको बताएगा कि फोन कितनी बार चेक करें। शुरू में हर 15 मिनट पर अलार्म सेट करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाकर 30 मिनट कर दें। अंत में हर 45 मिनट या 1 घंटे पर अलार्म लगाना शुरू करें। अलार्म बजने के बाद 4-5 मिनट अपने फोन की जांच करें और फिर टाइमर को दोबारा से रीसेट करें। नोटिफिकेशन बंद कर देंअगर फोन पर नोटिफिकेशन आएंगी तो आपका पूरा ध्यान तब तक फोन पर ही रहेगा, जब तक कि आप नोटिफिकेशन चेक न कर लें। इस कारण फोन की नोटिफिकेशन बंद करने या कुछ समय के लिए उन्हें म्यूट करने से स्मार्टफोन की लत से छुटकारा पाने में मदद मिल सकती है। इसके लिए डू नॉट डिस्टर्ब मोड का इस्तेमाल करें या व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम और फेसबुक आदि सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले ऐप्स की नोटिफिकेशन को बंद कर दें। रात में फोन का इस्तेमाल करने से बचेंहम सभी रात के समय अपने स्मार्टफोन पर सोशल मीडिया ऐप्स स्क्रॉल जरूर करते हैं। हालांकि, कुछ लोग ऐसा करते-करते आधी रात निकाल देते हैं। इससे बचने के लिए रात को सोने से पहले अपने फोन को दूर रख दें। इससे आपको अच्छी नींद आएगी और आपकी आंखों की रोशनी ठीक रहेगी। आप आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए इन ड्रिंक्स का सेवन भी कर सकते हैं।

दीवारों पर सजी लताओं के फूलों की रंगत

आमतौर पर प्रकृति में सर्दियों के मुकाबले गर्मियों में फूल कम देखने को मिलते हैं, लेकिन फूलों से भरी कई बेलें ऐसी भी हैं जिनके फूल बारहों महीने वातावरण को महकाते हैं। अगर आपको फूल-पौधे लगाना पसंद है तो क्यों न अपने घर में फूलों वाली बेलें या लताएं लगाएं। इन लताओं को रस्सी,आर्क या डंडे के सहारे आप अपने बागीचे, मुख्य द्वार, बाहरी दीवार, बालकनी, छत की रेलिंग या बाड़ पर लगा सकते हैं। ये ज्यादातर कटिंग से लगाई जाती हैं। इनमें लगे ढेरों फूल घर में खुशबू और रंगत बिखेरेंगे। जानिये ऐसी ही कुछ लताओं के बारे में।

चीनी विस्टोरिया या जादुई बेल : चीनी विस्टेरिया बहुत सुंदर बेलों में मानी जाती है। यह गर्मियों की शुरुआत में ही एक माह खूब खिलती है। इसे धूप की जरूरत होती है। आंगन में या तोरणद्वार पर इसके बैंगनी रंग के फूलों के लटकते बड़े-बड़े गुच्छों की शोभा देखते ही बनती है।

हनी सकल या लोनिसेरा : यह बहुत खूबसूरत अलग-अलग रंग और आकार वाले फूलों की बेल है। इसकी 180 प्रजातियां मिलती हैं जैसे- चाइनीज हनी सकल, कोरल हनी सकल, वुड वाइन हनी सकल। इनके फूल सफेद, लाल, गुलाबी, पीले रंग के होते हैं। खुशबू भी बहुत अच्छी आती है। जल्दी बढ़ती है और फूलों से भर जाती है। यह गुलाबिया बेल के साथ बेहतर ग्रो करती है।

मधुमालती या रंगून क्रिपर : इस लता को चाइनीज हनी सकल भी कहा जाता है। इसके फूल नीचे की तरफ या उलटे लटकते हुए गुच्छों में आते हैं। इसके हर गुच्छे में फूल अपना रंग बदलते हैं- पहले सफेद, पिंक और फिर लाल हो जाते हैं। लाल होने के बाद यह फूल झड़ जाता है। साल में 2-3 बार फूल देती है।

बोगनवेलिया : ये बहुत खूबसूरत फूलों वाली बेल है जिसकी करीब 200 किस्में मिलती हैं। इनके बोनसाई पौधे या झाड़ी भी बनाई जाती हैं। फूल कई रंगों के मिलते हैं जिनमें सफेद, गुलाबी, लाल, पीले, ओरेंज फूल ज्यादा हैं। कई बेलों में तो दो-तीन रंग के फूल भी आते हैं।

ब्लीडिंग हार्ट वाइन : लाल, सफेद या गुलाबी रंग के बहुत खूबसूरत फूलों वाली सीजनल बेल है। यह नाजुक होती है जिसकी पतली लंबी डंडी पर एकसाथ छोटे-छोटे हार्ट शेप में उलटे लटकते ढेर सारे फूल आते हैं। यह बेल कटिंग के साथ-साथ बीज से भी उगाई जा सकती है। सर्दी के मौसम में ही फलती है, तेज धूप में खराब हो सकती है। हिमाचल, कश्मीर जैसे ठंडे इलाकों में यह पौधा काफी साल चल सकता है।

मॉर्निंग ग्लोरी : इनके खूबसूरत फूल नीले, सफेद, बैंगनी, गुलाबी जैसे कई रंगों में आते हैं। यह सुबह खिलने वाले फूल हैं। यह बेल बीज से लगाई जाती है व तेजी से बढ़ती है। इनमें फूल साल भर खिलते हैं। सर्दियों में फूलों से भर जाती है, लेकिन छाया में रखने पर गर्मियों में भी काफी फूल आते हैं।

फ्लेमिंग वाइन : यह सदाबहार फूलों वाली बेल है। इसमें ओरेंज रंग के खूबसूरत फूल आते हैं जो दूर से आग की लपटों की तरह चमकते हैं। यह तेजी से बढ़ती है और दीवार को फूलों से भर देती है।

स्टार जास्मिन : जैस्मिन सुगंधित फूलों में सर्वश्रेष्ठ फूल हैं। जैस्मिन की बेल भी होती है। इसमें सफेद रंग के ढेरों फूल गुच्छों में लगते हैं। हाइब्रिड किस्म में पीले रंग के फूल भी होते हैं।

क्लैमेटिस या स्टार ऑफ इंडिया : इसकी बेल बहुत नाजुक होती है। जिसमें सर्दियों-गर्मी के पहले तक बेहद खूबसूरत फूल आते हैं। ये फूल नीले, गुलाबी, सफेद रंग के और काफी बड़े आकार के होते हैं। इसके फूल साल भर आते हैं।

मोगरा या मोतिया : इसकी बेल बहुत हरी-भरी होती है। रोज ढेरों फूल लगते हैं जिनकी लाइफ सिर्फ एक रात की होती है। सूर्यास्त के बाद फूल निकलना शुरू होता है, जैसे-जैसे रात बढ़ती है फूल की खुशबू बढ़ती जाती है। सुबह धूप आने के साथ ही मोगरे के फूल भी सूखने लगते हैं।

रोपाई के बाद भी रखें ध्यान : इनमें से ज्यादातर बेलें एक बार ठीक से लग जाती हैं, तो सालोंसाल बनी रहती है। फिर भी इनकी अच्छी बढ़त के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। अगर बेल चढ़ाने की जगह नहीं है तो आप इन बेलों को खास गमलों में लगा सकते हैं। इन्हें ज्यादातर बारिश के मौसम में लगाया जाता है। उगाने के लिए कटिंग बहुत पतली लेनी चाहिए। 8-10 इंच की कटिंग को कोकोपीट, पानी या कम्पोस्ट वाली मिट्टी में लगाया जाता है। 2-3 सप्ताह में जड़ें निकल आती हैं और नया पौधा बन जाता है। तैयार पौधे को जरा बड़े गमले में या जमीन में लगा सकते हैं। रोजाना पानी और 15-20 दिन में गोबर या पोटाश खाद दें।

साल में एक-दो बार प्रूनिंग कर सकते हैं।

एकांत के पलों में आनंद के मोती

आजकल नौकरी या शिक्षा के सिलसिले में काफी लोग अकेले रहने को मजबूर हैं। एक रिसर्च के अनुसार, भारत के बयालीस फीसदी युवा जो अठारह से अठाईस की उम्र के हैं वे काम या अध्ययन के अतिरिक्त अपने आपको और अपने अकेलेपन दोनों को संभालने की जिम्मेदारी निभाते हैं। सच ही है, आठ घंटे की दिनचर्या के अलावा बाकी समय गुजारना एक तपस्या से कम नहीं होता है। ऐसे में कुछ लोग घबरा जाते हैं। इनमें कुछ तो बहुत डरते हैं और उनके लिए यह एकांत भयावह ही हो जाता है। जबकि एक बहुत बड़ा वर्ग उन युवाओं का भी है जो अपने अकेलेपन का भरपूर उपयोग करते हैं। बहुत अच्छी तरह, खुलकर अपने बारे में सोचते हैं। अमेरिकी लेखिका एनेली रुफ़स ने तो बाक़ायदा %पार्टी ऑफ़ वन = द लोनर्स मैनीफेस्टो% के नाम से किताब लिख डाली है। वे कहती हैं कि अकेले रहने के बहुत से मज़े हैं। आप खुद पर फ़ोकस कर पाते हैं, अपनी क्रिएटिविटी को बढ़ा पाते हैं।

लोगों से मिलकर फ़िज़ूल बातें करने या झूठे हंसी-मज़ाक में शामिल होने से बेहतर है अकेले वक़्त बिताना। वैसे, अकेलेपन के फ़ायदे बताने वाले ये मनोवैज्ञानिक कोई नई चीज़ नहीं बता रहे हैं। हिंदू धर्म से लेकर बौद्ध धर्म तक, ईसाई और जैन आदि बहुत से मज़हब हैं जो अकेले तप करने और चिंतन-मनन करने की सलाह देते हैं। खलील ज़िब्रान तो हमेशा एकांत साधना और स्व-वार्तालाप की पैरवी करते रहे हैं।

समाज और परिवार मन को सुकून देते हैं यह सच है, पर जीवन में अध्ययन, शोध, प्रशिक्षण व रोजगार आदि के दौरान एक साल या कई साल अकेले गुजारने ही होते हैं। अगर इसे जल्द स्वीकार कर लिया जाये तो यह अकेलापन एक सही और सच्चा दोस्त बन जाता है। एक लघु फिल्म देखने का अवसर मिला जिसमें एक युवक कालेज के बाद खाली समय में सिर्फ किताबें ही पढ़ता है और जब वह नौकरी करने लगता है तो हर समस्या का हल उसे अपनी पढ़ी गई किताबों को याद करके मिलता हैं। यह सौ फीसदी नाटकीय फिल्म थी पर यह सच भी तो हो सकता है। अगर अकेलेपन को एक चुनौती मानकर उसे अच्छी चीजों से भरा जाये तो चमत्कार भी हो सकते है।

अपने आसपास देखें तो पायेंगे कि ऐसे लोग बहुत ही अनुशासित और नियमित जीवन जीने वाले होते हैं। आज किशोर या युवा ही नहीं, अकेलेपन के साथ जीवन जीना बुजुर्गों की भी मजबूरी हो चुकी है। पर एक बहुत बड़ा वर्ग उन वृद्धों का भी है जो अपनी दिनचर्या के जरूरी काम करते हैं। सुबह-शाम सैर पर जाते हैं। मनोरंजन में कमी नहीं करते हैं। अतीत में नहीं रहते बल्कि वर्तमान में जीते हैं। समाचार पत्रों और सोशल मीडिया से ऐसे अनगिनत लोगों की जानकारी मिलती है जो अकेलेपन को कोई अभिशाप नहीं मानते हैं। ऐसे लोग चाहे स्त्री हो या पुरुष, युवा हों या बुजुर्ग - ये खुद पर अच्छा-खासा ध्यान देते हैं, अपनी सेहत से न्याय करते हैं।

गर्मियों की शुरुआत से ही करने लगे संतरे का सेवन, मिलेंगे ये बेहतरीन फायदे

गर्मियों की शुरुआत हो चुकी हैं जहां शरीर में पानी और पोषक तत्वों की कमी होने का डर हमेशा बना रहता हैं और इसकी वजह से बिमारियों को शरीर में प्रवेश करने का मौका मिल जाता हैं। ऐसे में गर्मियां आते ही शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार के साथ ही जूस का सेवन करने की भी जरूरत पड़ती हैं। ऐसे में संतरे का सेवन आपकी सेहत बना सकता हैं। संतरा स्वादिष्ट होने के साथ शरीर के लिए भी काफी लाभदायक होता है। इसमें कई तरह के विटामिन, सोडियम, फाइबर, पोटैशियम, आयरन, मैग्निशियम और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो आपको दिनभर ऊर्जा दे सकते हैं। हम आपको यहां संतरे के सेवन से शरीर को मिलने वाले फायदों की जानकारी देने जा रहे हैं। आइये जानते हैं इसके बारे में...हाइड्रेटेड रहने में मिलेगी मददगर्मियों में गर्मी अधिक होने के कारण हमारे शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे लू लगने जैसी कई समस्याएं हो जाती हैं। कभी-कभी सिर्फ पानी पीने से आपके शरीर को पर्याप्त हाइड्रेशन नहीं मिल पाता है। इसलिए हमें पानी से भरपूर भोजन करना चाहिए। एक संतरे में आधा गिलास पानी पाया जाता है।वजन घटाने में मददगारवजन घटाने में भी संतरे का जूस काफी मददगार साबित हो सकता है। इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है।इसे पीने से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इस वजह से आपको भूख का एहसास नहीं होता है, खाने की क्रेविंग नहीं होती है इसमें कैलरी भी बहुत कम होता है।डायटरी फाइबर है फायदेमंद हेल्दी डाइट टिप्स में सबसे ज्यादा बात की जाती है डायटरी फाइबर के बारे में जो हेल्थ के लिए सबसे अधिक जरूरी होता है। संतरे में डायटरी फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। डायटरी फाइबर की खास बात यह होती है कि यह पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के साथ भोजन से मिलने वाले पोषक तत्वों का ठीक से अवशोषण करने में मदद करता है। इसलिए शरीर को पर्याप्त मात्रा में डायटरी फाइबर के लिए संतरे का सेवन करना चाहिए।हार्ट रहेगा हेल्दीगर्मियों में संतरा खाने से हार्ट लंबे समय तक हेल्दी रहता है और हार्ट संबंधी बीमारियां होने का खतरा कम होता हैं। संतरे के जूस में मौजूद विटामिन सी और पोटैशियम हार्ट को स्वस्थ रखता है। इसके सेवन से कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करने में मदद मिलती है।आंखों की रोशनी बढ़ाए संतरा खाने से आंखों की रोशनी भी बढ़ती है, आंखों की रोशनी को हमेशा ठीक रखना है तो संतरा खाना चाहिए। संतरे में विटामिन ए की भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो आंखों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसलिए गर्मियों में लगातार लेपटॉप और कंप्यूटर पर काम करने वाले लोगों को दिन में एक संतरा खाने की सलाह दी जाती है। क्योंकि इससे शरीर को विटामिन मिलता है और अपनी आंखों की हेल्थ को अच्छा रखा जा सकता है।इम्यूनिटी बूस्ट करेसंतरे के जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपके इम्यूनिटी को बढ़ाने का काम करते हैं। गर्मियों में अक्सर संक्रमण की शिकायत होती रहती है।ऐसे में ये जूस पीकर आप अपने रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जो संक्रमण से लडने में मदद करेगा और सर्दी जुखाम बुखार और अन्य बीमारियों से बचाव होगा।ब्लड प्रेशर होगा दूर संतरे में पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी भी पाया जाता है जिससे शरीर में हिमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ती है, ऐसे में संतरे का सेवन करने से ब्लड प्रेशर की बीमारी भी कंट्रोल रहती है। जिन लोगों को ब्लड प्रेशर की समस्या होती है उनके लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। तो देखा दोस्तों एक संतरा आपको कितनी बीमारियों से बचाकर रखता है। इसलिए गर्मियों में एक संतरा जरूर खाना चाहिए।खून की कमी दूर करेसंतरे के जूस में विटामिन सी के अलावा विटामिन ए और आयरन भी मौजूद होता है। ये सभी पोषक तत्व हिमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं। अगर आप खून की समस्या से जूझ रहे हैं और आपको एनिमिया की शिकायत है, तो आपको रोजाना नाश्ते में संतरे का जूस पीना चाहिए,इससे खून की कमी दूर होगी।त्वचा और बाल रहेंगे हेल्दीगर्मियों में कई बार ज्यादा देर धूप में रहने की वजह से त्वचा टैन हो जाती है। ऐसे में संतरा खाने से टैनिंग दूर होने के साथ यूवी रेज से बचाव होता है। संतरा खाने से झुर्रियों की समस्या आसानी से दूर होती है और इसमें पाए जाने वाला साइट्रिक एसिड डेड स्किन को हटाता है। वहीं इसमें मौजूद विटामिन ई से बाल झडने की समस्या दूर होती है।

छत्तीसगढ़ में हुए चावल घोटाले पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने केंद्रीय खाद्य मंत्री को लिखा पत्र

रायपुर। आज छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने केंद्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस सरकार द्वारा कोरोना काल में किए गए बड़े घोटाले का खुलासा किया है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि केन्द्र सरकार द्वारा कोविड महामारी के समय देश के 80 करोड़ गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत, प्रतिमाह प्रत्येक सदस्य को 5 किलो ग्राम अतिरिक्त चावल की व्यवस्था की गई, जो कि माह अप्रैल 2020 से वर्तमान तक नियमित रूप से प्रचलन में है। केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत, छत्तीसगढ़ में निवासरत गरीब परिवारों के लिए 11 लाख 53 हजार 380 क्विंटल प्रतिमाह चावल राज्य सरकार को आवंटित किया जा रहा है. इस प्रकार अप्रैल 2020 से दिसम्बर 2022 तक (कुल 33 माह) केन्द्र सरकार द्वारा इस योजना अंतर्गत, राज्य सरकार को 3 करोड़ 80 लाख 61 हजार 540 क्विंटल चावल

का अतिरिक्त आबंटन किया गया है एवं राज्य सरकार द्वारा माह अप्रैल 2020 से दिसम्बर 2022 तक गरीब परिवारों को इस योजना अंतर्गत मात्र 2 करोड़ 29 लाख 80 हजार 711 क्विंटल चावल वितरण किया गया है। इससे स्पष्ट है कि केन्द्र सरकार द्वारा गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत भेजे गए अतिरिक्त चावल में से राज्य सरकार ने 1 करोड़ 50 लाख 80 हजार 829 क्विंटल चावल का वितरण नहीं किया, जिसका वर्तमान में बाजार मूल्य 3400 प्रति क्विंटल के अनुसार लगभग 5 हजार 127 करोड़ रूपये है।

उन्होंने आगे लिखा है कि इस तरह राज्य सरकार द्वारा कुल 5 हजार 127 करोड़ रूपये की अनियमितता की गई है. अभी कुछ दिन पहले विकासखंड सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम के शासकीय राशन दुकानदार एवं विक्रेता कल्याण संघ का प्रतिनिधिमंडल मुझसे मिला था. जिसने उपरोक्त अनियमितता के संबंध में मुझे जानकारी दी। छत्तीसगढ़ भाजपा द्वारा इस अनियमितता की बात उजागर होने पर राज्य सरकार का खाद्य विभाग पूरे प्रदेश के राशन दुकान संचालकों को नोटिस देकर चांवल की मात्रा जमा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है जिससे पूरे प्रदेश में राशन संचालक संघ में आक्रोश है एवं जिससे प्रदेश की पीडीएस व्यवस्था चौपट होती जा रही है। अतः आप से आग्रह है कि उपरोक्त विषय की जांच उच्च स्तरीय टीम से कराई जाए, जिससे प्रदेश की जनता को उसका अधिकार मिल सके। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने इस पत्र के उपरांत केंद्र सरकार द्वारा दिए गए चावल और राज्य सरकार द्वारा किए गए आवंटन के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं जिसमें 1 करोड़ 50 लाख 80 हजार 829 क्विंटल चावल की अनियमितता स्पष्ट दिखाई दे रही है।

विधानसभा किसान कांग्रेस अध्यक्ष-आशीष पांडे जी के नेतृत्व में ब्लाक कांग्रेस कमेटी देवभोग ने अजय चंद्राकर का किये पुतला दहन

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद/देवभोग जिला गरियाबंद विकास खण्ड देवभोग में आज किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राम विलास साहू जी के निर्देशानुसार जिला किसान कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व ब्लाक किसान कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता अजय चंद्राकर ने देश के अन्नदाता किसान को तस्कर के श्रेणी में रखा गया, बहुत दुखत भरी बात कही गई इस परिपेक्ष में आज विधानसभा किसान कांग्रेस अध्यक्ष आशीष पांडे जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार किसानों के हित में जो उचित निर्णय लें कर किसानों के उत्थान के लिए जो कदम उठाई गई हैं किसानों से 15के जगह पर 20 क्विंटल प्रति एकड़ से खरीदी किए जाने में, इस निर्णय से भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के बुद्धी शून्य हो गई और बौखलाई हैं, और देश के अन्नदाता किसान को तस्कर कहा जा रहा हैं। छत्तीसगढ़ राज्य में कांग्रेस सरकार विकास के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू कर,हर वर्ग के लोगों का आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में सरकार मदद कर रही हैं। छत्तीसगढ़ राज्य देश में पहला राज्य है,जहां लाखों करोड़ों रुपए कर्ज में बंधे हुए किसानों का कर्ज माफ किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य का यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य में गोबर खरीदी करने वाले दुनिया में नम्बर वन मुख्यमंत्री को दर्जा प्राप्त मिला है। दुनिया में ऐसा कोई भी राज्य नहीं है जो कि 2 रूपये में गोबर खरीद आर्थिक की समस्या से जूझ रहा गरीब किसान, मजदूरों व अन्य व्यक्ति को लाभान्वित किया जा रहा हैं। कांग्रेस सरकार ने किसानों को कृषि क्षेत्रों में बड़ी मदद करने जा रही हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को किसान के हित वाली योजना को आगे बढ़ाने में विराम लगाना चाहती हैं। ब्लाक कांग्रेस कमेटी देवभोग अध्यक्ष भूपेंद्र मांझी जी ने भाजपा प्रवक्ता अजय चंद्राकर को सीधे निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार जब से छत्तीसगढ़ राज्य में किसानों के हित में अनेक योजनाएं लागू किया गया है।जिसे देख कर बर्दाश्त नहीं कर सक रहें और बीजेपी नेता छत्तीसगढ़ किसानों को तस्कर कहा जा रहा हैं, तो कभी अन्य तरह के नीतियां अपनाई जा रही हैं। आज विन्द्रानवागढ़ विधान सभा क्षेत्र से आज किसान कांग्रेस कमेटी, ब्लाक कांग्रेस कमेटी,युवा कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों व पार्टी के कार्यकर्ताओं ने किसान को तस्कर के श्रेणी में रखें गयें, भारतीय जनता पार्टी ने प्रवक्ता अजय चंद्राकर का विरोध कर जम कर नारेबाजी लगाते हुए उनके विरोध में आज दोपहर को, स्थल- पं श्याम शंकर मिश्र चौंक के पास पुतला दहन सभी कांग्रेसी नेताओं ने मिलकर किया , इस दौरान कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस बल तैनात रह कर पुतला के ऊपर पानी डालकर सुरक्षित रखा गया । आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित थे, ब्लाक कांग्रेस कमेटी देवभोग अध्यक्ष भूपेंद्र मांझी, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष वासुदेव बीसी, विधानसभा कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष पांडे, ब्लाक किसान कांग्रेस अध्यक्ष अनामों बघेल, जिला किसान कांग्रेस उपाध्यक्ष विनोद कुमार यादव, तथा वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता हैं कुंजल राम यादव, धन सिंह मरकाम, प्रताप महांती, धनेश्वर कश्यप, जगगनाथ बीसी, डबल सिंह पोर्टी, विनोद ध्रुवा, भविष्य प्रधान,भोज लाल मांझी, लुदू राम नायक सूरज शर्मा, सुरेश बघेल,भोज सिंह नेताम, जिला गरियाबंद कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष उमेश कुमार डोंगरे,तुला राम यादव, अरूण सोनवानी, अखिलेश बघेल, खेमराज हरपाल आदि अन्य सभी पार्टी के जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता मौजूद थे ।

ऐंडोरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरौना गांव में गुड्डू तोमर के खेत के पास मिला संदिग्ध परिस्थिति में युवक का शव परिजनों ने किया हाइवे जाम

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एंडोरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरौना गांव में गुड्डू तोमर के

खेत के पास एक 24 वर्षीय युवक का शव मिला जोकि बरौना गांव से गुम हो गया था 9 अप्रैल को एंडोरी थाने में 24 वर्षीय युवक गुम होने की सूचना दर्ज हुई थी। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि अंकित तोमर पुत्र नत्थी सिंह तोमर उम्र 24 साल निवासी बरौना का शब 11 अप्रैल को रात लगभग 8 बजे गुड्डू तोमर के खेत के पास संदिग्ध अवस्था में पढ़ा हुआ मिला था पुलिस को सूचना लगते ही मौके पर पहुंची फरियादी विजय सिंह तोमर पुत्र विद्याधन सिंह तोमर की फरियाद पर पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए शब को पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल भेजा जहां 12 अप्रैल को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराते हुए सब परिजनों को सौंपाएंडोरी थाना क्षेत्र के बरौना गांव से लापता अंकित तोमर नामक युबक का मिला शव खेतों के पास मिलने के बाद पुलिस ने गोहद अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों के पैनल एवं वीडियोग्राफी के साथ शव का पोस्टमार्टम कराया और सब परिजनों को सौंप दिया जिसके बाद परिजनों ने गोहद चौराहा स्थित भिंड ग्वालियर हाईवे पर सब को रखकर जाम लगा दिया जिसे अधिकारियों की समझाइश के बाद खोला गया।

शान ए शोकत के साथ, पंच प्यारों की अगुवाई में भव्य पुष्प वर्षा के बीच श्री गुरुग्रंथ साहेबजी का नया स्वरूप पहुंचा गुरुद्वारा साहेब

खरगोन से मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

श्री गुरुसिंघ सभा खरगोन द्वारा खालसा पंथ का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है जिसके तहत मंगलवार को श्री गुरुग्रंथ साहेबजी के नए स्वरूप का आगमन शहर में हुआ जिसे पंच प्यारों की अगुवाई में, भव्य पुष्प वर्षा के साथ शान ए शौकत से गुरुद्वारा साहिब लाया गया। स्वरुप साहेब की सेवा स्वर्गीय सरदार राजेंद्रपाल सिंह गांधी की पुण्य स्मृति में गांधी परिवार द्वारा की गई। सभा के प्रधान प्रतिनिधि अमरजीत सिंह भाटिया एवं सह सचिव त्रिलोचन सिंह भाटिया ने बताया कि श्री गुरुग्रंथ साहिबजी के नए स्वरूप को गुरुद्वारा साहिब लाने के लिए श्री कृष्ण टॉकीज तिराहे से गुरुद्वारा साहेब तक नगर कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमे पंच प्यारों की सेवा समाज के युवाओ रमनदीप सिंह भाटिया, प्रभजोत सिंह भाटिया, सोनू भाटिया, सोमी भाटिया, हरचरण सिंह भाटिया, द्वारा निभाई गई निशान साहेब की सेवा वींकल भाटिया ने की कीर्तन में समाज की महिलाओं ने गुरबाणी का जसगान किया तथा समाज के बच्चों एवं युवाओं एवं बहनों ने कृपाण हाथ में लेकर जयकारे लगाए। नगर कीर्तन का सकल हिंदू समाज, संघ के स्वयंसेवकों, तथा शहर के गणमान्य नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया समाप्ति के पश्चात गुरु के अटूट लंगर का आयोजन हुआ जिसकी सेवा हरबक्श सिंह छाबड़ा परिवार द्वारा की गई जिसमें समाज की महिलाओं कमलजीत कौर भाटिया, रितु चावला, गुरमीत कौर भाटिया, हरजीत कौर भाटिया, मिन्नी भाटिया, रोशनी भाटिया, इंद्रजीत कौर गांधी, का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। बुधवार को सुबह श्री अखंड पाठ साहबजी की आरंभता हुई पश्चात निशान साहब की सेवा की गई। आज रात्रि कीर्तन दीवान सजेगा जिसमें सभा के हजूरी रागी पवन सिंहजी एवं इंदौर से आए ज्ञानी लवप्रीत सिंहजी द्वारा गुरबाणी का जसगान होगा।

महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जन्म जयंती, बालक उ.मा.वि. हिंडोरिया में संपन्न

पुष्पांजलि टुडे

दमोह। शासकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय हिंडोरिया में महान समाज सुधार शिक्षा की अलख जगाने वाले समाज सेवी, लेखक, दार्शनिक, संत महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जन्म जयंती समारोह सहायक संचालक/प्राचार्य वाई.के. कोरी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला तो वही शिक्षक दिलीप जोशी ने ज्योतिबा फुले जी के द्वारा किये गये समाज सुधार के कार्यो का वर्णन किया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता मुकेश गूजरे ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाये एवं छात्र उपस्थित रहे।

भूपेश बघेल की लगाई आग में जल रहा है पूरा छत्तीसगढ़: सौरभ सिंह

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के रायपुर संभाग प्रभारी व विधायक सौरभ सिंह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि आग भी मुख्यमंत्री की लगाई हुई है और इस आग में तुष्टिकरण का पेट्रोल भी वही डाल रहे हैं। छत्तीसगड़ के मौजूदा हालात के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जिम्मेदार करार देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और कांग्रेस की लगाई जेहादी उन्माद व धर्मांतरण की आग से आज पूरा छत्तीसगढ़ जल रहा है। कवर्धा में जनता ने देखा है कि कैसे दंगाइयों के साथ मिलकर सत्ता का खुला और शर्मनाक दुरुपयोग करके हिंदुओं पर लाठीचार्ज करवाया गया और बेकसूर हिंदुओं को जेल में डाल कर दंगाइयों को संरक्षण दिया गया। जनता ने एकतरफा पक्षपात की कार्रवाई को देखा है। हिंदुओं ने इस दमन को भोगा है।

विधायक सौरभ सिंह ने कहा कि नारायणपुर में एसपी और कमिश्नर द्वारा चेतावनी देने के बावजूद सरकार ने धर्म परिवर्तन कराने वालों को प्रश्रय दिया और उन्होंने एकत्र होकर आदिवासी समुदाय पर हमला कर दिया। सरकारी संरक्षण में इस घटना की पुनरावृत्ति जगदलपुर में भी हुई। मुख्यमंत्री सोनिया गांधी को संतुष्ट करने के लिए दिल्ली जाकर ईसाई मिशनरियों के सामने सरेंडर करके आये। परंतु बहुसंख्यक हिंदुओं को न्याय नहीं दिया। विधायक सौरभ सिंह ने कहा कि बिरनपुर में लव जिहाद के मामले को लेकर साहू समाज लगातार शासन के पास अनुरोध करता रहा। मृतक के पिता आरोप लगाते हैं कि भूपेश बघेल सरकार के मंत्री रविंद्र चौबे के आदमी दंगाइयों को उकसाने में लगे रहे और बकायदा समाज का नाम लेकर उन्हें उठाने की धमकी देते रहे। परंतु कांग्रेस सरकार ने दंगाइयों को रोकने हिंदुओं को सुरक्षा नहीं दी और उसकी परिणति इतनी वीभत्स घटना के रूप में सामने है। भाजपा के रायपुर संभाग प्रभारी विधायक सौरभ सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ का हिंदू समाज आपके बहकावे में आने वाला नहीं है। आपको आपके कृत्यों की सजा अवश्य देगा। उन्होंने कहा कि राहुल प्रियंका की चापलूसी में यूपी जाकर 50- 50 लाख का मुआवजा बांटने वाले मुख्यमंत्री को उनके ही संरक्षण में पनपे दंगाइयों की हिंसा में जान गंवाने वाले छत्तीसगड़ के युवा की जान की कीमत सिर्फ 10 लाख रुपये लगाने पर शर्म आनी चाहिए। इस परिवार को 1 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाए।

अपनी दलित सहयोगी का भरोसा तोड़ने वाली प्रियंका पर महिलाएं क्यों करें भरोसा: सरोज पांडेय

श्रीमती वाड्रा के सचिव को गिरफ्तार करने की हिम्मत दिखाएं भूपेश: भाजपा

रायपुर। राज्यसभा सांसद व भारतीय जनता पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री सरोज पांडेय ने कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के छत्तीसगड़ दौरे के संदर्भ में कहा है कि वे किसका भरोसा जीतना चाहती हैंड़ कांग्रेस तो महिलाओं का भरोसा तोड़ रही है। खुद प्रियंका ने अपनी ही पार्टी की दलित समाज की महिला नेता का भरोसा तोड़ दिया। कांग्रेस के रायपुर अधिवेशन के दौरान प्रियंका के सचिव ने अर्चना गौतम नाम की दलित महिला नेता से बदसलूकी की। इसकी शिकायत की गई लेकिन भूपेश बघेल सरकार ने प्रियंका के सचिव के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। भूपेश बघेल के राज में छत्तीसगड़ में महिलाओं के उत्पीड़न की खुली छूट है। राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय ने कहा कि प्रियंका बस्तर आ रही हैं। तैयारियों में पूरी सरकार लगी हुई है। तब हमारा सवाल है कि लड़की हूं लड़ सकती हूं, का नारा देने वाली प्रियंका गांधी अपनी ही पार्टी की नेत्री और कांग्रेस उम्मीदवार रही दलित बेटी अर्चना गौतम की लड़ाई में क्यों साथ नहीं दे रही हैंड़ अर्चना गौतम के पिता ने अपनी बेटी के साथ प्रियंका गांधी के सचिव संदीप कुमार द्वारा किये गए दुर्व्यवहार, जातिसूचक गाली देने और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा बाकायदा दर्ज कराया है।

यह शर्मनाक घटना रायपुर में ही कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान हुई थी। अपनी ही पार्टी की महिला नेता के खिलाफ अपने नजदीकी सचिव द्वारा किये गए इस दुर्व्यवहार पर, दलित महिला के साथ हुए अन्याय पर प्रियंका गांधी क्यों चुप हैंड़ क्या उनकी सहमति से उनके सचिव ने यह अपराध किया हैड़ क्या प्रियंका वाड्रा को अपनी दलित महिला नेता को संरक्षण देते हुए अपने सचिव पर कार्रवाई करने भूपेश बघेल से नहीं कहना चाहिए थाड़ कांग्रेस की खानदानी विरासत से जुड़ी जो नेता अपनी महिला सहयोगी का भरोसा तोड़ सकती है, उस पर छत्तीसगड़ में भूपेश बघेल के राज में शोषित, पीड़ित, वंचित महिलाएं कैसे भरोसा कर सकती हैंड़ क्या दलित महिला अर्चना गौतम को न्याय दिला कर प्रियंका महिलाओं का भरोसा बहाल करेंगी। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल में हिम्मत है तो श्रीमती वाड्रा के सचिव को गिरफ्तार करके दिखाएं। अन्यथा महिलाओं का भरोसा जीतने का ढोंग बंद करें।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जायेगा।

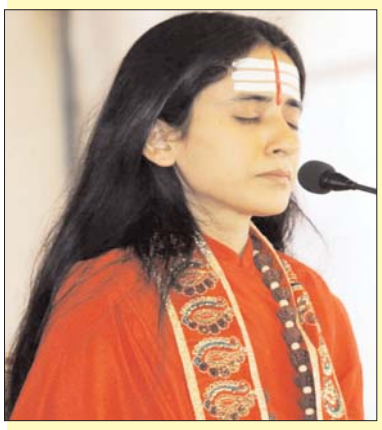

ग्वालियर। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक दोपहर 1 बजे से सायं 4 चार बजे तक

छविराम पैलेस, गणेशपुरा चौराहा, बडागांव हाईवे, मुरार, ग्वालियर में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी (संस्थापक एवं संचालक, डीजेजेएस) की शिष्या भागवताचार्या महामनस्विनी साध्वी मेरुदेवा भारती जी ने सप्तम दिवस में भगवान् श्री कृष्ण जी व रुकमणी जी के विवाह प्रसंग को भक्तों के समक्ष रखते हुए कहा कि यहाँ भगवान् श्री कृष्ण साक्षात् परमात्मा हैं और रुकमणी जी एक आत्मा का प्रतीक हैं जो भगवान् की प्राप्ति करना चाहती हैं परन्तु उनका मिलन तभी संभव हो पाया था जब एक पंडित जी उनके जीवन में आये द्य ठीक इसी प्रकार एक आत्मा का लक्ष्य भी परमात्मा है और जब तक एक जीवात्मा परमात्मा की प्राप्ति नहीं कर लेती तब तक वह आवागमन के बंधन से मुक्त नहीं हो पाती है परन्तु हमारे संतों महापुरुषों ने कहा कि जिस प्रकार श्री रुकमणी जी का विवाह तभी संभव हो पाया था जब पंडित जी उनके और भगवान् श्री कृष्ण जी के बीच माध्यम बने थे द्य ठीक इसी प्रकार एक पूर्ण गुरु के माध्यम से ही आत्मा और परमात्मा का मिलान संभव हो पता है और पूर्ण गुरु की कसौटी बताते हुए हमारे संतों ने कहा कि जो ईश्वर का दर्शन हमें इस मानव तन के भीतर ही करा दें वही पूर्ण सतगुरु हैं और यही नहीं भगवान् शिव भी गुरु गीता में पूर्ण गुरु की कसौटी बताते हुए कहते हैं कि पार्वती इस संसार में बहुत सारे गुरु हैं द्य 1. सूचक गुरु 2. वाचक गुरु 3. बोधक गुरु 4. निषिद्ध गुरु 5. विहित गुरु 6. कारणाख्य गुरु और अंत में सप्तम गुरु हैं परम गुरु द्य अर्थात कुछ गुरु पंचाक्षरी मंत्र व वशीकरण मन्त्रों को देने वाले होते हैं द्य कुछ शिक्षा व उपदेश देने वाले होते हैं परन्तु उनकी शरण जाकर भी एक जीवात्मा का कल्याण नहीं हो पाता है जब तक कि एक जीवात्मा पूर्ण गुरु की शरण को प्राप्त नहीं करती द्य इसलिए संतों ने कहा कि एक पूर्ण गुरु के द्वारा ही ईश्वर के आलौकिक रूप का दर्शन कर पातें हैं उनके प्रकाश रूप का देख पाते हैं और ईश्वरीय संगीत का अपने भीतर सुन पाते हैं और शाश्वत अमृत को अपने ही भीतर प्राप्त करने की युक्ति को भी जान पाते हैं तभी कहा -

द्वार दया को जब तू खोले
पंचम स्वर में गूंगा बोले
अँधा देखे, लंगड़ा चलकर
पहुंचे काशी रे

अर्थात पूर्ण गुरु की कृपा के द्वारा ही एक नेत्रहीन व्यक्ति भी ईश्वर का दर्शन कर पाता है द्य गूंगा व्यक्ति भी उस शाश्वत नाम को जब पाता है जो जिह्वा से अति परे है और आगे कहा कि एक लंगड़ा व्यक्ति जो अपाहिज है वह भी काशी पहुँच जाता है क्योंकि वास्तव में काशी एक अवस्था है जो पूर्ण गुरु के द्वारा ही प्राप्त हो पाती है । श्री आशुतोष महाराज जी की कृपा से आज अनेकों ही जीवात्माएं सहज ही उस ब्रह्मज्ञान को प्राप्त कर ईश्वर का दर्शन अपने भीतर कर पाएं हैं और शास्वत ज्ञान को प्राप्त कर ईश्वर से मिलन कर सच्चे आनंद की प्राप्ति कर पायी हैं यही भगवान् श्री कृष्ण जी व श्री रुकमणी जी के विवाह प्रसंग का आध्यात्मिक सार है द्य

इसलिए आवश्यकता है कि आज हम भी एक पूर्ण सतगुरु की शरण में जा ईश्वर का साक्षात्कार कर अपनी आत्मा को मनोरथ को पूर्ण करें तभी हमारा कल्याण होगा द्य कथा का समापन हवन व भंडारे द्वारा किया गया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478